सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" यदि पद और पैसा ही आपकी सम्पत्ति है,
तो एक दिन इसका अंत है...!
और यदि मान और सम्मान आपकी संपत्ति है, तो ये अनंत है...!! "
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–120 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 20 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

बस्तर नक्सलमुक्त, अब 5 साल में 6 गुना आय बढ़ाने का लक्ष्य : अमित शाह

2031 तक विकसित बस्तर बनाने का संकल्प, 200 सुरक्षा कैंप बनेंगे सेवा डेरा

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जगदलपुर में प्रेस वार्ता में घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर नक्सलमुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि अब अगले 5 वर्षों में सुरक्षा से विश्वास, विश्वास से विकास, विकास से समृद्धि और समृद्धि से संतृप्ति का लक्ष्य पूरा करना है। बस्तर की आय 5 साल में 6 गुना तक बढ़ाई जाएगी।

शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

अमित शाह ने कहा कि नक्सलमुक्त भारत का संपूर्ण श्रेय सुरक्षा बल के जवानों और उनके परिजनों को जाता है जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने सभी शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। 24 अगस्त 2024 को तय किया था कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होगा, लेकिन यह लक्ष्य पहले ही हासिल हो गया।

70 सुरक्षा कैंप बनेंगे सेवा डेरा

गृह मंत्री ने बताया कि बस्तर में नक्सल उन्मूलन के लिए 200 सुरक्षा कैंप बनाए गए थे। इनमें से एक तिहाई यानी 70 कैंपों को पहले चरण में वीर शहीद गुण्डाधुर सेवा डेरा में बदला जाएगा। यहां बैंकिंग, आधार, डिजिटल सेवाएं और केंद्र–राज्य की 371 योजनाओं का लाभ एक ही जगह मिलेगा। सेवा डेरा में ढअउर और डेयरी भी होगी।

हर आदिवासी महिला को गाय–भैंस

अमित शाह ने कहा कि बस्तर 6 महीने में सहकारी डेयरी के विशाल नेटवर्क के रूप में उभरेगा। प्रत्येक आदिवासी महिला को एक गाय और एक भैंस दी जाएगी। वन उपज और कृषि से होने वाला पूरा मुनाफा सीधे आदिवासियों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ नक्सलमुक्त होना काफी नहीं है, 2031 तक पूरी तरह विकसित बस्तर बनाना लक्ष्य है।

विकास का मॉडल बनेगा बस्तर

गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद ने बस्तर में विकास रोका था। यहां स्कूल, सड़कें, अस्पताल और बैंक नक्सलियों के कारण नहीं बन पाए। अब सेवा डेरा मॉडल से सरकार गांव के दरवाजे तक पहुंचेगी। 20557 करोड़ की लागत से 12211 किमी सड़कें बन चुकी हैं। 5000 मोबाइल टावर लगे हैं, 1804 बैंक शाखाएं, 1321 एटीएम और 890 पोस्ट ऑफिस खुल चुके हैं। 259 एकलव्य स्कूल, 46 आईटीआई और 49 स्किल सेंटर चालू हैं।

बस्तर पंडुम और ओलंपिक की तारीफ

शाह ने कहा कि बस्तर ओलंपिक्स और बस्तर पंडुम ट्राइबल यूथ एंगेजमेंट और आदिवासी कल्चरल रिवाइवल के मॉडल हैं। पिछले बस्तर ओलंपिक में 3.94 लाख खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें सरेंडर कर चुके पूर्व नक्सलियों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। बस्तर पंडुम में 45000 लोगों ने आदिवासी नृत्य, गीत और वेशभूषा को मंच दिया।

माओवादियों से सतर्क रहने की अपील

गृह मंत्री ने आगाह किया कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद माओवादी भेष और नाम बदलकर फिर आएंगे। किसी के बहकावे में न आएं। उन्होंने सरेंडर नक्सलियों की साइकोलॉजिकल मैपिंग, स्किलिंग और शिक्षा पर जोर दिया। कहा कि जो विक्टिम थे, उनका सिस्टम में सम्मान के साथ जीने का पूरा हक है।

दुर्ग पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, 63.50 लाख का माल बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह का खुलासा करते हुए मेरठ से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 400 ग्राम सोना कीमत 60 लाख रुपये और नगद 3 लाख 50 हजार रुपये कुल 63 लाख 50 हजार रुपये का माल बरामद किया गया है। गिरोह ने दुर्ग, भिलाई, नवा रायपुर और बिलासपुर में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था।

ऐसे पकड़ में आए आरोपी

नेहरू नगर और दुर्ग में दिन में हो रही चोरियों को पुलिस ने चैलेंज के तौर पर लिया। तकनीकी विश्लेषण और घटनास्थल के आसपास लगे सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद सुराग मिला। थाना सुपेला और एसीसीयू की संयुक्त टीम मेरठ और दिल्ली रवाना की गई। मेरठ में आरोपी हासीम खान को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई।

फेरी वाले बनकर करते थे रैकी

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने साथी के साथ बिलासपुर से एक्टिवा सीजी 10 एके 4136 खरीदी। दुर्ग, भिलाई में रैकी कर दिन में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करते थे। आरोपी कुछ दिन से मोदहापारा रायपुर में किराए के मकान में रहते थे। वहां से दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, नया रायपुर में दिन में फेरी वाले बनकर कपड़ा, गलीचा बेचने के बहाने रैकी करते थे। गेट के बाहर ताला लगे मकानों को चिन्हित कर वारदात करते थे। एक आरोपी बाहर रैकी करता था, दूसरा अंदर चोरी करता था।

ज्वेलर्स संचालक गिरफ्तार

चोरी का माल मेरठ के सलीम ज्वेलर्स को बेचना बताया। ज्वेलरी शॉप संचालक सलीम पिता अब्बास खान को मेरठ से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से करीब 400 ग्राम सोना और नगद 3 लाख 50 हजार रुपये बरामद हुए।

अन्य शहरों में भी की चोरी

आरोपी ने पूछताछ में तिफरा बिलासपुर, नवा रायपुर और जबलपुर म.प्र. में भी चोरी करना स्वीकार किया है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम संभावित स्थानों पर भेजी गई है। मेरठ और भोपाल पुलिस के सहयोग से कार्रवाई में सफलता मिली।

गिरफ्तार आरोपी में हासीम खान पिता जब्बार खान उम्र 24 साल, निवासी श्याम नगर रोड शालीमार गार्डन गली नंबर 1 मेरठ उ.प्र. और सलीम खान पिता अब्बास खान उम्र 28 साल, निवासी शिवालकास मेरठ उ.प्र. शामिल हैं। पुलिस ने करीब 400 ग्राम सोना कीमत 60 लाख रुपये और नगद 3 लाख 50 हजार रुपये, कुल 63 लाख 50 हजार रुपये।

भीषण गर्मी से गजराज हुआ बेहाल, सूंड से अपने ऊपर पानी डालकर ले रहा राहत

रायगढ़ के बंगुरसिया में पोखर में नहाते हाथी का वीडियो वायरल, दो दर्जन हाथियों का दल इलाके में

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

छत्तीसगढ़ में पड़ रही भीषण गर्मी से इंसानों के साथ वन्यजीव भी बेहाल हैं। रायगढ़ के बंगुरसिया इलाके से एक हाथी का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में हाथी सूंड से खुद पर पानी डालकर गर्मी से राहत पाने की कोशिश करता दिख रहा है।

पोखर में नहाता दिखा हाथी

यह नजारा रायगढ़ और ओडिशा सीमा क्षेत्र में देखने को मिला। एक हाथी गांव के पास बने पानी के पोखर में पहुंचा। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए वह सूंड से बार–बार शरीर पर पानी डालता रहा। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने इस दृश्य को मोबाइल में कैद कर लिया।

इलाके में दहशत, वन विभाग अलर्ट

बताया जा रहा है कि इलाके में दो दर्जन से अधिक हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम अलर्ट मोड पर है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

विशेषज्ञों की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती गर्मी और जंगलों में पानी की कमी के कारण वन्यजीवों का आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आना बढ़ सकता है। ऐसे में लोगों को वन्यजीवों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है।

बस्तर में बैठक : अमित शाह बोले– पूरा देश नक्सलमुक्त, बस्तर हुआ विवादमुक्त

मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक में कुपोषण, शिक्षा और न्याय पर फोकस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक से पहले ही पूरे बस्तर और देश के नक्सलमुक्त होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया और कहा कि यह क्षेत्र अब विवादमुक्त भी हो गया है।

सुरक्षाबलों की बहादुरी को दिया श्रेय

अमित शाह ने कहा कि भारत के नक्सलमुक्त होने का पूरा श्रेय सुरक्षाबलों के जवानों के परिश्रम और बहादुरी को जाता है। एजेंसियों ने सटीक इनपुट एकत्र किए और राज्यों की पुलिस व CAPFs के साथ मिलकर समयबद्ध कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि Whole of the Government Approach के साथ नक्सलमुक्त क्षेत्रों में विकास पहुंचाया गया। लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है क्योंकि इन क्षेत्रों को विकास में देश के बाकी हिस्सों के समकक्ष लाना बाकी है।

4 राज्यों के सीएम रहे मौजूद

बैठक में छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी सहित केंद्र और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। गृह मंत्री ने कहा कि मध्य क्षेत्र के राज्यों का आपस में और केंद्र के साथ कोई विवाद शेष नहीं है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

क्षेत्रीय परिषद बैठकों में 3 गुना बढ़ोतरी

शाह ने बताया कि मोदी सरकार में क्षेत्रीय परिषद की बैठकें संवाद से समाधान का सशक्त मंच बनी हैं। 2004–14 में 11 बैठकें हुई थीं, जो 2014–26 में बढ़कर 32 हो गईं। चर्चित मुद्दे 569 से बढ़कर 1729 हो गए, जिनमें से 80% का निराकरण हो चुका है।

गृह मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन–2 पर फोकस कर हर घर नल से जल पहुंचाना है। हर 5 किलोमीटर में बैंक सुविधा जरूरी है क्योंकि सभी योजनाएं DBT आधारित हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड वाला यह मध्य क्षेत्र देश के अनाज भंडार भरने, खनिज से विकास और सांस्कृतिक विरासत में अहम है।

ये दिए निर्देश

* कुपोषण के खिलाफ भारत सरकार की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाएं
* स्कूल ड्रॉपआउट दर घटाएं, स्कूलों की गुणवत्ता सुधारें
* POCSO और बलात्कार के मामलों में शत–प्रतिशत दोषसिद्धि के लिए समय पर DNA जांच
* 5 साल से अधिक पुराने मामलों के लिए हाईकोर्ट विशेष अदालतें गठित करें
* चारों राज्य 1930 साइबर हेल्पलाइन कॉल सेंटर को केंद्र के प्रारूप पर अपडेट करें
* मिलावटखोरी के दोषियों का प्रचार करें ताकि जनता को पता चले
* 2029 से पहले 3 साल में हर आपराधिक मुकदमे को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाने का लक्ष्य

नरोत्तम बने अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के महामंत्री

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारतीय जनता पार्टी जिला राजनांदगांव ने सोमनी सतनामी समाज के वरिष्ठ, समाज के शिक्षित, युवा एवं ग्राम के सामाजिक कार्य करने में अग्रणी रहने वाले नरोत्तम दास बंजारे को भाजपा ग्रामीण मंडल (पूर्व) के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के महामंत्री नियुक्त किया गया है।

एमसीयू के अभिषेक पाण्डेय ने बनाया मोबाइल एप 'मास्टर प्रिंटपैक'

देश का पहला विशिष्ट शैक्षणिक प्रिंटिंग और पैकेजिंग ऐप

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी (NMT) विभाग के नाम एक और शैक्षणिक उपलब्धि जुड़ गई है। विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक पांडेय द्वारा इन–हाउस विकसित किया गया विशेष शैक्षणिक मोबाइल एप्लिकेशन 'मास्टर प्रिंटपैक' (Master Printpack) आधिकारिक तौर पर गूगल प्ले स्टोर पर लाइव हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन, कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी और विभागाध्यक्ष डॉ. पी. शशिकला के मार्गदर्शन में तैयार इस ऐप को इंटरनेशनल एज रेटिंग कोएलिशन (IARC) द्वारा भी प्रमाणित कर दिया गया है।

प्रिंटिंग और पैकेजिंग तकनीक के लिए अनूठा डिजिटल प्लेटफॉर्म :

यह मोबाइल एप्लिकेशन देश भर में प्रिंटिंग, पैकेजिंग, स्मार्ट पैकेजिंग और सस्टेनेबल इंक टेस्टिंग जैसे विषयों से जुड़े विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए एक व्यापक एजुकेशनल यूटिलिटी और बेंचमार्किंग प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा।

ऐप की खास बातें

401 विशेषज्ञ-क्यूरेटेड एमसीक्यू (MCQs): ऐप में प्रिंटिंग तकनीक, स्पेक्ट्रोडेन्सिटोमेट्री, पैकेजिंग रीडिजाइन और औद्योगिक मानकों पर आधारित 401 चुनिंदा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का डेटाबेस शामिल है, जो रैंडम शफलिंग लॉजिक के साथ काम करता है।

लाइव ग्लोबल लीडरबोर्ड: विद्यार्थी अपनी तकनीकी दक्षता को परखने के लिए रीयल–टाइम में एक–दूसरे के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

डेटा सुरक्षा और प्राइवेसी: सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए इसमें विद्यार्थियों की ईमेल आईडी को पूरी तरह सुरक्षित रखकर केवल डिस्प्ले नेम प्रदर्शित करने की आधुनिक व्यवस्था (Hermetic Data रीं’) की गई है।

गूगल एडमोब इंटीग्रेशन: ऐप के सतत संचालन और भविष्य के तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए इसे व्यावसायिक विज्ञापन प्रणाली से भी जोड़ा गया है।

90 दिनों की मेहनत एवं 14 दिनों का कड़ा परीक्षण

इस ऐप को प्ले स्टोर पर जारी करने से पहले लगभग 90 दिनों तक का समय लगा। साथ ही न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग के बी.टेक प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग के 27 छात्र–छात्राओं और विभाग के फैकल्टी मेंबर्स की एक टीम द्वारा 14 दिनों का 'क्लोज्ड टेस्टिंग' (उ’ङ्गरीं ळी२३ल्ह) ऑडिट सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस दौरान मिले फीडबैक के आधार पर ऐप के यूजर इंटरफेस (वक) और प्राइवेसी फीचर्स को पूरी तरह रिफाइन किया गया।

देश का पहला विशिष्ट शैक्षणिक प्रिंटिंग और पैकेजिंग ऐप

वतर्मान में गूगल प्ले स्टोर पर प्रिंटिंग और पैकेजिंग क्षेत्र से जुड़े जो भी ऐप्स उपलब्ध हैं, वे या तो केवल औद्योगिक प्रदर्शनियों की जानकारी देने तक सीमित हैं या बेहद सामान्य ज्ञान पर आधारित हैं। 'मास्टर प्रिंटपैक' देश का पहला ऐसा शैक्षणिक और मूल्यांकन (Academic Evaluation) ऐप है, जिसमें स्पेक्ट्रोडेन्सिटोमेट्री, सस्टेनेबल इंक टेस्टिंग और आधुनिक पैकेजिंग डिजाइन जैसे जटिल औद्योगिक विषयों पर आधारित 401 प्रश्नों का गहन डेटाबेस और छात्रों की रीयल–टाइम रैंकिंग के लिए लाइव लीडरबोर्ड की व्यवस्था है। यह अनूठा संगम इसे अपनी तरह का पहला डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाता है।

महंगाई में जनता सिर पिट रहे है - राकेश ठाकुर, महंगाई के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन

नई दृष्टिबिंदु /उतई

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में जिले भर में महंगाई के खिलाफ चल रहे चरणबद्ध आंदोलन के द्वितीय दिवस सोमवार को उतई बाजार चौक में कांग्रेसजनों द्वारा एक बार फिर अनोखे तरीके से प्रदर्शन कर केंद्र की भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकर विरोध जताया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने सबसे पहले ताली बजाई, फिर थाली बजाई और अंत में सिर पीट-कर जनता की पीड़ा एवं आक्रोश को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह प्रदर्शन उस आम जनता की हालत को दर्शाने के लिए किया गया है, जो लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और रोजमर्रा की वस्तुओं के बढ़ते दामों से पूरी तरह हताश और परेशान हो चुकी है।

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के मुद्दों को रचनात्मक एवं प्रभावी तरीके से उठाती रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ताली और थाली बजाने की अपील की थी, तब देश की जनता ने एकजुट होकर उनका साथ दिया। लेकिन आज वही जनता पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल, दाल, चावल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों से परेशान है।

श्री ठाकुर ने कहा कि ताली और थाली बजाकर भाजपा सरकार को उसकी पुरानी घोषणाओं और वादों की याद दिलाई गई, जबकि सिर ठोकने का प्रतीकात्मक प्रदर्शन यह बताने के लिए किया गया कि जनता अब महंगाई से त्रस्त होकर खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों एवं बढ़ते टैक्स के कारण आम जनता का जीवन कठिन हो गया है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बाजार क्षेत्र में व्यापारियों और आम नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। व्यापारियों ने भी बताया कि लगातार बढ़ती महंगाई के कारण बाजार व्यवस्था प्रभावित हो रही है तथा लोगों की खरीद क्षमता में कमी आई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए पार्टी का चरणबद्ध आंदोलन लगातार जारी रहेगा और आने वाले दिनों में इसे और व्यापक रूप दिया जाएगा।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, जिला महामंत्री जामवंत गजपाल, राम सुयर्वंशी, जागृति साहू, पूर्व पार्षद प्रहलाद वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डिकेंद्र हिरवानी, वीरेंद्र गोस्वामी, तोशन साहू, प्रेम नारायण साहू, राहुल वर्मा, प्रेम मिश्रा, मुकेश साहू, गजेंद्र, अरुण वर्मा, पालेश्वर ठाकुर, श्यामाचरण मनहर, योगेश जांगड़े, धनंजय नेताम, मुकेश साहू, गौरव शर्मा, गजेंद्र काकड़े, रमशिला नेताम, सरोज ठाकुर, तुलसी वर्मा, राजेश्वरी राव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

खास खबर

दुर्ग पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 7 मिनट में पहुंचाया गंभीर मरीज

सुपेला से जुनवानी तक बनाया रास्ता, यातायात पुलिस की तत्परता से बची जान

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

दुर्ग यातायात पुलिस ने सोमवार को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर गंभीर मरीज को मात्र 7 मिनट में अस्पताल पहुंचाया। सुपेला से जुनवानी तक पूरे मार्ग पर यातायात नियंत्रित कर एंबुलेंस को बिना बाधा निकाला गया।

बीएम शाह से शंकराचार्य अस्पताल रेफर था मरीज

बीएम शाह हॉस्पिटल सुपेला में भर्ती सेक्टर 02 निवासी 38 वर्षीय सलीम अली को बेहतर इलाज के लिए शंकराचार्य हॉस्पिटल जुनवानी रेफर किया गया था। सूचना मिलते ही यातायात पुलिस दुर्ग की टीम ने तत्काल ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया।

पूरे रास्ते किया ट्रैफिक कंट्रोल

पुलिस टीम ने सुपेला से जुनवानी तक के मार्ग पर यातायात को नियंत्रित किया। एंबुलेंस को बिना किसी अवरोध के निकाला गया। इससे मरीज को 7 मिनट में शंकराचार्य हॉस्पिटल पहुंचाया जा सका और समय पर उपचार मिल गया।

आपात सेवा को प्राथमिकता : पुलिस

यातायात पुलिस ने त्वरित समन्वय कर ग्रीन कॉरिडोर तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि एंबुलेंस या अन्य आपातकालीन वाहनों को मार्ग में प्राथमिकता दें और तत्काल साइड दें, ताकि गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिल सके और जीवन बचाया जा सके।

गंदगी मिलने पर आइसक्रीम फैक्ट्री पर 25 हजार का जुर्माना

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत जोन-2 वैशाली नगर के वार्ड क्रमांक 21 कैलाश नगर में संचालित एक आइसक्रीम फैक्ट्री पर निगम प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम निरीक्षण के लिए पहुंची। निरीक्षण के दौरान कृष्णा फूड प्रोडक्ट नामक आइसक्रीम फैक्ट्री में कई कमरे, कार्यालय कक्ष, स्टोर रूम, डीप फ्रीजर रूम और निर्माण हाल पाए गए, जहां विभिन्न प्रकार की आइसक्रीम का निर्माण और पैकेजिंग की जा रही थी। जांच के दौरान स्टोर रूम के एक कोने और एक डीप फ्रीजर में लगभग 200 कुल्फियां खराब और पिघली हुई हालत में बिखरी मिलीं। परिसर में जगह-जगह स्टिक और रैपर भी फैले हुए थे। निगम टीम ने तत्काल निर्माण स्थल की सफाई करवाई और खराब तथा पिघली हुई आइसक्रीम को पंचनामा तैयार कर जब्त किया। गंदगी पाए जाने पर संचालक पर 25 हजार रुपये का अथर्दंड लगाया गया। निगम अधिकारियों ने संचालक को मिक्सचर मशीन, डीप फ्रीजर, स्टोर रूम तथा निर्माण और पैकेजिंग स्थल को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य सामग्री को शुद्ध और व्यवस्थित तरीके से उपयोग करने की समझाइश भी दी गई। इस कार्रवाई में जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, वार्ड सुपरवाइजर और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

पानी, सफाई और पेंशन मुद्दे पर कांग्रेस का नगर पालिक निगम दुर्ग का घेराव, जमकर किया प्रदर्शन

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने खाली मटके फोड़कर जताया विरोध

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर में गहराते जल संकट, बदहाल सफाई व्यवस्था, बिजली समस्या, लंबित पेंशन और नगर निगम में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ सोमवार को कांग्रेस ने नगर निगम कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और प्रतिपक्ष नेता संजय कोहले के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आम नागरिक निगम कार्यालय पहुंचे और शहर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान पानी की समस्या को लेकर कांग्रेसियों ने खाली मटके फोड़कर विरोध जताया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी निर्मित हो गई। पुलिस प्रशासन ने घेराव को रोकने के लिए निगम कार्यालय के बाहर दो से तीन लेयर की बैरिकेडिंग की थी। प्रदर्शनकारी एक बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ गए, जिसके बाद कुछ देर के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने निगम प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शहर की मूलभूत समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन पिछले लगभग छह माह से हितग्राहियों को नहीं दी गई है, जिससे जरूरतमंद लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दुर्ग शहर के कई वार्डों में नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है और जहां पानी मिल रहा है वहां कम दबाव और दूषित पानी की शिकायतें हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने सफाई व्यवस्था को भी पूरी तरह चरमराई हुई बताते हुए कहा कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

उन्होंने भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश और शहर दोनों स्तर पर सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है तथा विकास कार्य ठप पड़े हैं। प्रतिपक्ष नेता संजय कोहले ने कहा कि शहर में समय पर कचरा उठाव नहीं हो रहा है, जिससे कई स्थानों पर गंदगी और दुर्गंध फैली हुई है। विशेष रूप से रविशंकर स्टेडियम और धमधा नाका ओवरब्रिज के आसपास हालात बेहद खराब हैं। उन्होंने कहा कि कई वार्डों में स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं और निगम इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। साथ ही नगर निगम की टेंडर प्रक्रिया में भारी अनियमितता का आरोप लगाते हुए उन्होंने एसओआर दर से अधिक के टेंडरों को निरस्त करने की मांग की।

पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि दुर्ग शहर की जनता को पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए तरसना नगर निगम की विफल कार्यप्रणाली को दर्शाता है। वहीं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि शहर की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है, लेकिन निगम प्रशासन उदासीन बना हुआ है। प्रदर्शन में ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, पार्षद, पूर्व पार्षद और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैलों की जगह इंसानों ने खींची मोटरसाइकिल

धमधा में महंगाई के खिलाफ फूटा आक्रोश

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग-धमधा

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के निर्देशानुसार केंद्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों, लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल, खाद्य सामग्री तथा सराफा के बढ़ते दामों के विरोध में 17 मई से 20 मई तक चरणबद्ध आंदोलन एवं जनजागरण अभियान प्रारंभ किया गया।

धमधा में आयोजित अनोखे प्रदर्शन ने सबका ध्यान आकर्षित किया। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई के विरोध में पारंपरिक जुड़ा में बैलों की जगह इंसानों को जोड़कर मोटरसाइकिल बांधकर खींची। इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने संदेश दिया कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की जिंदगी इतनी कठिन बना दी है कि अब वाहन चलाना भी बोझ बन गया है।

प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आम जनता पर लगातार महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार वृद्धि से परिवहन, खेती-किसानी, खाद्य सामग्री एवं दैनिक जरूरतों की वस्तुएं महंगी होती जा रही हैं, जिससे गरीब, किसान, मजदूर, व्यापारी एवं मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। विभिन्न ब्लॉकों में पेट्रोल पंपों के सामने प्रदर्शन कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर एवं तख्तियां लेकर महंगाई की मार, भाजपा सरकार, डीजल-पेट्रोल के दाम कम करो और जनता त्रस्त, सरकार मस्त जैसे नारे लगाए।

राकेश ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री देशवासियों को खर्च कम करने की सलाह देते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वयं विदेश दौरों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों का लाभ केवल चुनिंदा उद्योगपतियों को मिल रहा है, जबकि आम जनता महंगाई और आर्थिक संकट से जूझ रही है। 20 मई को सोशल मीडिया अभियान चलाकर महंगाई एवं जनविरोधी नीतियों के खिलाफ व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया है कि जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा और आगामी दिनों में भी जनहित के प्रश्नों पर संघर्ष तेज किया जाएगा। इस दौरान प्रभारी महामंत्री राजीव गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष शमशीर कुरैशी, ब्लॉक अध्यक्ष शिवकुमार वर्मा, जिला पंचायत सदस्य दानेश्वर साहू, अशोक कसार, राजेश मानिकपुरी, अघ्नू पाल, अरुण साहू, रजत नायक, राज पटेल, रोमन पटेल, जितेंद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

हॉस्पिटल सेक्टर बेदखली मामला : मजदूरों के हक की लड़ाई जारी

मध्यस्थता में नहीं पहुंचे अधिकारी, 300 दिन में निराकरण के आदेश, सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है मामला

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भिलाई के हॉस्पिटल सेक्टर में रह रहे 702 परिवारों की बेदखली के खिलाफ मेहनतकश आवास अधिकार संघ और छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा मजदूर कार्यकर्ता समिति का संघर्ष जारी है। संगठन ने बताया कि मामला अब सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और मध्यस्थता के लिए 26 मई को अगली पेशी तय की गई है।

2016 से चल रहा विवाद

कलादास डेहरिया ने बताया कि 2014-15 में भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग ने हॉस्पिटल सेक्टर के परिवारों को बेदखली के नोटिस जारी किए। 2016 में बुलडोजर से दो ब्लॉकों को तोड़ दिया गया। रहवासियों ने बिलासपुर हाई कोर्ट में याचिका दायर की। हाई कोर्ट से 2024 तक स्थगन आदेश मिला। 2025 में हाई कोर्ट ने मामले को निचली अदालत में ले जाने का आदेश दिया।

300 दिन में निराकरण के निर्देश

संगठन ने पहले संयंत्र के संपदा न्यायालय में मामला रखा। वहां 11 लोगों को तत्काल मकान खाली करने का आदेश दिया गया। इसके खिलाफ दुर्ग जिला न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर की गई। 14 मई 2026 को न्यायालय ने आदेश दिया कि भिलाई इस्पात संयंत्र विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए गुण-दोष के आधार पर 300 दिन के अंदर मामले का निराकरण करे।

सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका

हाई कोर्ट के निर्णय को चुनौती देते हुए संगठन सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। वहां मामला लंबित है और एक सुनवाई हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की पहल पर मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा गया। 18 मई 2026 को माननीय सुनीता टोपो की अदालत में पेशी थी।

मध्यस्थता में नहीं पहुंचे अधिकारी

पेशी के दिन करीब 200 मजदूर बच्चों के साथ हॉस्पिटल सेक्टर से अदालत पहुंचे। भिलाई इस्पात संयंत्र, छत्तीसगढ़ सरकार और भिलाई निगम की ओर से कोई अधिकारी उपस्थित नहीं हुआ। न्यायालय ने अगली पेशी 26 मई 2026 निर्धारित की है। संगठन का कहना है कि मजदूर आवास के अधिकार के लिए सड़क और न्यायालय दोनों स्तरों पर संघर्ष कर रहे हैं। इस दौरान नारायण राव, लक्ष्मी यादव, अरुणा, अनुसुइया खरे, सुदरिया, सारदा, बबलू, के. मैरी, इश्रातम्मा, बालम्मा, नीरा डेहरिया, ब्रम्हा, लता, मोहन,

बीएसपी के 49 अग्निशमन कर्मी सम्मानित, साहसिक कार्यों की सराहना

सेंट्रल फायर स्टेशन में समारोह, रोकथाम आधारित अग्नि सुरक्षा पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

सेल भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन विभाग के 49 कर्मियों को अदम्य साहस और दक्षता के लिए सम्मानित किया गया। सेंट्रल फायर स्टेशन के प्रशिक्षण सभागार में 16 मई को आयोजित समारोह में इन जांबाजों ने हाल में संयंत्र के संवेदनशील क्षेत्रों में हुई अग्नि दुर्घटनाओं पर सफल नियंत्रण और जोखिमपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन किए थे।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजन

कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं देबदत्त सतपथी और मुख्य अग्निशमन अधिकारी बीके महापात्र के मार्गदर्शन में हुआ। अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी एसबी धवस, उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी जीएसएस किरण सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

तकनीकी चूक से बचने की सलाह

मुख्य अग्निशमन अधिकारी बीके महापात्र ने कहा कि कार्यस्थल पर छोटी तकनीकी चूक या सुरक्षा मानकों से विचलन गंभीर अग्नि दुर्घटना का कारण बन सकता है। इससे जान माल की क्षति और उत्पादन प्रभावित होता है। उन्होंने सतकर्ता, अनुशासन और मानक कार्यप्रणालियों के पालन पर जोर दिया।

पीपीई के उपयोग पर बल

मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सतपथी ने उच्च तापमान और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कर्मियों के साहस और त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा केवल प्रतिक्रिया नहीं बल्कि रोकथाम पर आधारित होनी चाहिए। ड्यूटी के दौरान पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट का उपयोग अनिवार्य है। हर दुर्घटना का विश्लेषण कर पुनरावृत्ति रोकनी होगी।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में अहिवारा बंद, मेडिकल दुकानें रहीं बंद

व्यापारियों ने कहा : बिना जांच दवा बिक्री से मरीजों को खतरा, सरकार कड़े नियम बनाए

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में 20 मई को किए गए राष्ट्रव्यापी बंद का असर अहिवारा और नंदिनी नगर में भी दिखा। नगर के मेडिकल व्यवसायियों ने एकजुट होकर अपनी दुकानें बंद रखीं और ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ विरोध जताया।

प्रमुख दुकानें रहीं बंद

बंद के समर्थन में आदित्य ताम्रकार मेडिकल, ऋतुराज मेडिकल, देवांगन मेडिकल, सिद्धि मेडिकल, मां लक्ष्मी मेडिकल और मुकेश मेडिकल पूरी तरह बंद रहीं। पूरे दिन नगर में मेडिकल प्रतिष्ठानों के शटर गिरे नजर आए जिससे बंद का असर साफ दिखा।

मरीजों के स्वास्थ्य पर खतरा

मेडिकल संचालकों ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से बिना पर्याप्त जांच और चिकित्सकीय सलाह के दवाओं की बिक्री हो रही है। इससे मरीजों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा है। साथ ही स्थानीय मेडिकल व्यवसाय भी लगातार प्रभावित हो रहा है।

सरकार से मांग

व्यापारियों ने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर कड़े नियम लागू करने और छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन सिर्फ व्यापार बचाने का नहीं बल्कि लोगों की सुरक्षा और दवाओं के सही उपयोग को सुनिश्चित करने का प्रयास है। चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कदम नहीं उठाए तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

21वीं सदी में कंटेंट क्रिएशन युवाओं के लिए असीम संभावनाओं का क्षेत्र : वित्त मंत्री चौधरी

रायगढ़ के क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स से संवाद कर साझा किए बदलते दौर के अवसरों पर विचार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ में जिले के युवा कंटेंट क्रिएटर्स, डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स और सोशल मीडिया से जुड़े रचनात्मक युवाओं से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने 21वीं सदी में तकनीक, नवाचार और डिजिटल माध्यमों से उभर रही नई संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आज का दौर ज्ञान, रचनात्मकता और तकनीक का दौर है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने युवाओं को अपनी प्रतिभा को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का अभूतपूर्व अवसर दिया है। कंटेंट क्रिएशन अब केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि रोजगार, उद्यमिता और सामाजिक परिवर्तन का प्रभावशाली साधन बन चुका है।

उन्होंने कहा कि रायगढ़ सहित छत्तीसगढ़ के युवा अपनी रचनात्मकता, स्थानीय संस्कृति और सकारात्मक सोच के माध्यम से राज्य की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने कंटेंट के जरिए प्रदेश की संस्कृति, पर्यटन, लोककला, सफलता की कहानियों और विकास कार्यों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करें।

श्री चौधरी ने कहा कि 21वीं सदी में वही समाज और राज्य आगे बढ़ेंगे जो नई तकनीकों को अपनाते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि रचनात्मकता को अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जोड़ा जाए, तो डिजिटल प्लेटफॉर्म सफलता के अनगिनत द्वार खोल सकते हैं।

संवाद के दौरान क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा डिजिटल मीडिया, कंटेंट निर्माण और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों पर चर्चा की। सभी प्रतिभागियों ने वित्त मंत्री के विचारों को प्रेरणादायी बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

खास खबर

खनिज विभाग की दबिश, अवैध रेत उत्खनन में लगी पोकलेन, जेसीबी और ट्रैक्टर जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य शासन प्रदेश में अवैध रेत उत्खनन पर शख्त कार्रवाई कर रही हैं। इसी कड़ी में रायगढ़ जिला प्रशासन के निर्देश पर जिले में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। सोमवार देर रात खनिज अमले ने संयुक्त अभियान चलाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध खनन में संलिप्त मशीनों और वाहनों को जब्त किया।

खनिज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 18 मई की रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक सहायक खनिज अधिकारी, खनिज निरीक्षक एवं खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा कार्रवाई की गई। इस दौरान ग्राम लेबड़ा में दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन में लगी एक चौन माउंटेड मशीन पोकलेन को जब्त कर सील किया गया। वहीं ग्राम रानीगुड़ा में कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी और तीन ट्रैक्टर जब्त कर कलेक्टोरेट परिसर लाया गया। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि सभी वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 एवं 23 क के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। संबंधित मामलों में आगे वैधानिक कार्रवाई और शास्ति की प्रक्रिया की जाएगी। जिले में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। प्रशासन ने कहा है कि खनिज संसाधनों के अवैध दोहन में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय प्लेसमेंट कैम्प 22 मई को, सीएसआईटी दुर्ग में होगा आयोजन

रायपुर। संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग तथा छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में 22 मई 2026, शुक्रवार को जिला स्तरीय रोजगार मेला एवं प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, शिवाजी नगर दुर्ग में आयोजित होगा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के उपसंचालक विष्णु कुमार केडिया से प्राप्त जानकारी अनुसार प्लेसमेंट कैम्प के लिए कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग स्नातक, एएनएम, जीएनएम, नर्सिंग, एमबीबीएस, बीएएमएस, डिप्लोमा पैरामेडिकल सहित विभिन्न योग्यताओं के अनुरूप रिक्तियां प्राप्त हुई हैं। रोजगार मेला के माध्यम से अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं एवं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। संबंधित संस्थानों से भी आग्रह किया गया है कि वे अपने विद्यार्थियों को प्लेसमेंट कैम्प की जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि अधिक से अधिक रोजगार इच्छुक युवा इसका लाभ प्राप्त कर सकें। रोजगार मेला से संबंधित विस्तृत जानकारी www.erojgar.cg.gov.in के रोजगार मेला विकल्प पर उपलब्ध है। इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी हेतु जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग से भी संपर्क कर सकते हैं।

अनियमितता मिलने पर वंदना पेट्रोल पंप सील

रायपुर। जिला प्रशासन रायगढ़ ने मंगलवार देर रात खरसिया स्थित वंदना पेट्रोल पंप को सील कर दिया। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पंप में शासन द्वारा निर्धारित संचालन और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया गया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक टीम को पेट्रोल पंप संचालन में कई अनियमितताएं मिलीं। सुरक्षा संबंधी प्रावधानों और आवश्यक निर्देशों की अनदेखी पर अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जताई। जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने के बाद पेट्रोल पंप को सील कर दिया गया। यह कार्रवाई खरसिया एसडीएम प्रवीण तिवारी, जिला खाद्य अधिकारी और खरसिया तहसीलदार की मौजूदगी में की गई।

खनिज विभाग ने गोबरानवापारा में मारी रेड, अवैध रेत खनन पर की बड़ी कार्रवाई, 2 पोकलेन जब्त

महानदी से रेत लाकर अवैध भंडारण करने वाले 7 लोगों को थमाया नोटिस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के आदेश पर खनिज विभाग ने गोबरानवापारा क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और भंडारण पर बड़ी कार्रवाई की है। 18 और 19 मई को चले सघन जांच अभियान में 2 पोकलेन मशीनें जब्त कर सील की गईं और अवैध रूप से भंडारित रेत को जब्त किया गया।

पर्यावरणीय शर्तों का उल्लंघन कर हो रहा था खनन

उप-संचालक खनिज राजेश मालवे के नेतृत्व में खनिज अमले ने ग्राम लखना रेत खदान में जांच की। यहां स्वीकृत क्षेत्र के बाहर और पर्यावरणीय शर्तों का उल्लंघन कर 2 चेन माउंटेड पोकलेन मशीनों से रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा था। दोनों मशीनों को मौके पर ही जब्त कर सीलबंद कर दिया गया और उत्खनन तत्काल बंद कराया गया।

7 लोगों ने किया था अवैध भंडारण

तहसील गोबरानवापारा के ग्राम नवागांव, जौंदा, जौंदी और डगनिया में महानदी से रेत लाकर अनिल कुमार साहू, गोविंद साहू, ईश्वर पटेल, प्रताप सेन, त्रिलोकी साहू, अजय साहू और मनीष ठाकुर द्वारा बिना अनुमति के अवैध भंडारण किया जा रहा था। खनिज विभाग ने छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के तहत पूरी अवैध रेत जब्त कर ली है। सभी 7 भंडारणकर्ताओं को जवाब के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लगातार गश्त का दावा

उप-संचालक राजेश मालवे ने बताया कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर नियंत्रण के लिए खनिज अमले द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। अवैध गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मनगटा वन चेतना केंद्र के पास 150 एकड़ अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

राजनांदगांव। जिला प्रशासन ने भूमाफियाओं के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए मनगटा वन चेतना केंद्र के पास करीब 150 एकड़ जमीन पर हुई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। बुधवार सुबह भारी पुलिस बल और राजस्व अमले के साथ जेसीबी मशीनें मौके पर पहुंचीं। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर शुरू की गई कार्रवाई से अवैध प्लाटिंग करने वालों में हड़कंप मच गया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार भूमाफियाओं ने सरकारी जमीन, नदी नालों और प्रतिबंधित क्षेत्रों तक पर कब्जा कर अवैध प्लॉट काट दिए थे। लंबे समय से मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया।

रास्ते और बाउंड्रीवाल तोड़े गए

मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात किए गए ताकि कोई अप्रिय स्थिति न बने। जेसीबी से अवैध रूप से बनाए गए रास्ते, बाउंड्रीवाल और प्लॉटिंग संरचनाओं को ध्वस्त किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार भिलाई के भूमाफिया इस इलाके में सक्रिय थे।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

प्रशासन ने साफ किया है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों और अवैध कॉलोनियां बनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। बिना अनुमति प्लाटिंग, सरकारी भूमि पर कब्जा और नदी नालों की जमीन पर निर्माण करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई के बाद जिलेभर के भूमाफियाओं में हड़कंप है।

हिमाचल की वादियों में छग का हुनर यूथ फेस्टिवल में शामिल होंगे 20 युवा

बीर (हिमाचल प्रदेश) में सजेगा राष्ट्रीय मंच; ट्रेकिंग के साथ कला, संस्कृति और प्रतिभा का होगा संगम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के होनहार युवा जल्द ही हिमाचल प्रदेश की ठंडी वादियों और ऊंचे पहाड़ों के बीच अपने हुनर का जलवा बिखेरेंगे।यूथ फेस्टिवल 2026 के तहत राष्ट्रीय स्तर के एक भव्य आयोजन में भाग लेने के लिए जशपुर जिले के 20 छात्र-छात्राओं का दल रवाना हो रहा है। यह राष्ट्रीय आयोजन हिमाचल प्रदेश के श्बीरश में 21 मई से 24 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के 18 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के 20 युवाओं (छात्र-छात्राओं) का चयन जशपुर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस महोत्सव के लिए किया गया है। युवाओं की सुरक्षा और मार्गदर्शन के लिए दल के साथ जिला स्तर के 02 प्रभारियों को भी भेजा गया है।

पहाड़ों पर ट्रेकिंग और संस्कृति का महासंगम

यह फेस्टिवल केवल एक सामान्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश भर के युवाओं के सपनों, कला, संस्कृति और आत्मविश्वास का एक जीवंत महोत्सव होगा। कार्यक्रम के दौरान जहाँ युवा हरे-भरे पहाड़ों पर एडवेंचर और ट्रेकिंग का अनुभव लेंगे, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस 4 दिवसीय आयोजन में गीत, संगीत, नृत्य आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएगी। भाषण प्रतियोगिताओं के साथ - साथ देश के विभिन्न राज्यों से आए युवाओं के साथ संवाद भी होगा। जशपुर के युवा छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, कला और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित कर राज्य का नाम रोशन करेंगे। यह यात्रा छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए कुछ नया सीखने, नए मित्र बनाने और भारत की विविध संस्कृति को करीब से जानने का एक बेहतरीन और यादगार अवसर साबित होगी। यह महोत्सव युवाओं के उत्साह, ऊर्जा और सपनों को एक नई दिशा देगा।

सिम्स के स्त्री रोग विभाग में दुर्लभ व अत्यंत जटिल सर्जरी हुआ सफल

27 सप्ताह के गर्भ के बराबर विशाल गांठ निकाल मरीज को मिला नया जीवन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सिम्स अस्पताल बिलासपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में चिकित्सकों की टीम ने एक अत्यंत दुर्लभ, जटिल एवं जोखिमपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर मरीज को नया जीवन प्रदान किया है। यह उपलब्धि सिम्स अस्पताल में उपलब्ध विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं एवं चिकित्सकों की दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, दुजी बाई (45 वर्ष) को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल जीपीएम से सिम्स अस्पताल रेफर किया गया था। मरीज पिछले लगभग दो वर्षों से लगातार पेट दर्द, अत्यधिक रक्तस्राव, कमजोरी एवं शारीरिक असहजता की समस्या से पीड़ित थीं। प्रारंभिक

जांच एवं अंदरूनी परीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने पाया कि गर्भाशय के मुंह में लगभग 15.14 सेंटीमीटर आकार का विशाल सर्वाइकल फाइब्रॉइड पॉलीप विकसित हो चुका था। चिकित्सकों के अनुसार यह गांठ अत्यधिक संक्रमित थी तथा आकार में लगभग 27 सप्ताह के गर्भ के बराबर हो चुकी थी। गांठ दो भागों में विभाजित होकर पेट के निचले हिस्से, पेशाब की नली एवं किडनी पर लगातार दबाव बना रही थी, जिससे मरीज की स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही थी। संक्रमण और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण यह मामला चिकित्सकीय दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण एवं जानलेवा स्थिति में पहुंच चुका था।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉ. संगीता रमन जोगी के मार्गदर्शन में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम गठित की गई। कई घंटों तक चली इस जटिल एवं उच्च जोखिम वाली सर्जरी को स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता रमन जोगी, सह प्राध्यापक डॉ. दीपिका सिंह, डॉ. रचना जैन, डॉ. सोमा वेंकट एवं वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. आकृति यादव ने सफलतापूर्वक संपन्न किया।

सर्जरी के दौरान गांठ को दो अलग-अलग हिस्सों में अत्यंत सावधानीपूर्वक निकाला गया। ऑपरेशन के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव एवं संक्रमण का लगातार खतरा बना हुआ था, वहीं पेशाब की नली एवं आसपास के महत्वपूर्ण अंगों को सुरक्षित रखना भी चिकित्सकों के लिए बड़ी चुनौती थी। बावजूद इसके डॉक्टरों की टीम ने कुशलता, अनुभव एवं धैर्य का परिचय देते हुए ऑपरेशन को सफल बनाया और मरीज की जान बचाई।

इस जटिल सर्जरी में बेहोशी विभाग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. श्वेता एवं डॉ. मिल्टन ने पूरी सर्जरी के दौरान मरीज की स्थिति को नियंत्रित रखते हुए महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। वर्तमान में मरीज सिम्स अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में भर्ती हैं तथा उनकी स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। चिकित्सकों के अनुसार मरीज की रिकवरी संतोषजनक है और जल्द ही उन्हें स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज किया जा सकेगा।

नागरिक सहकारी बैंकों में बढ़ेंगी आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं

सहकारिता आयुक्त ने मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग सेवाएं शुरू करने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य के शहरी सहकारी बैंकों में आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने के लिए आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं छत्तीसगढ़ महादेव कावरे ने समीक्षा बैठक ली। इस समीक्षा बैठक में राज्य के 12 शहरी नागरिक सहकारी बैंकों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में सहकारिता आयुक्त ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि वे भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई नवाचारात्मक पहलों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर और आसान बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एईपीएस (आधार आधारित भुगतान प्रणाली) जैसी सुविधाएं शुरू की जाएं।

सहकारिता आयुक्त ने बैंकों को यह भी

निर्देशित किया कि वे तकनीकी सहायता और आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए गठित अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ें। इससे बैंकों को नई तकनीक अपनाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में मदद मिलेगी।

बैठक में अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली के अधिकारी सुमीत हंस ने बैंकों को संगठन से जुड़ने के लाभ और उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे सहकारी बैंक डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को तेजी से लागू कर सकेंगे। इस अवसर पर व्यावसायिक सहकारी बैंक रायपुर, नागरिक सहकारी बैंक रायपुर, लक्ष्मी नागरिक सहकारी बैंक रायपुर, रायपुर अर्बन मर्केंटाइल को-ऑप बैंक, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, रायगढ़, महासमुंद, अंबिकापुर और जगदलपुर के सहकारी बैंक शामिल हुए।

सहकारिता आयुक्त श्री कावरे ने सभी बैंकों को तय समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए। इस पहल से प्रदेश के सहकारी बैंकों में डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा और ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी।

दुर्गम जंगलों के बीच पहुंची स्वास्थ्य सेवा

रायपुर। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्र ग्राम गमपुर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कठिन परिस्थितियों के बीच पहुंचकर जनसेवा का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। बीजापुर जिले के उप स्वास्थ्य केंद्र डोडीतुमनार की टीम ने जंगल और खराब रास्तों की चुनौतियों के बावजूद गांव में यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग सर्वे सफलतापूर्वक पूरा किया। इस दौरान कुल 771 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ मलेरिया, टीबी, एनीमिया, उच्च रक्तचाप और गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच भी की। सर्वेक्षण के दौरान 5 मलेरिया मरीजों की पहचान कर तुरंत उपचार शुरू किया गया। वहीं 2 संभावित टीबी मरीजों और 1 हाई रिस्क गर्भवती महिला को आगे की जांच और उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202605101000037

विषय:- अ-6 अ मामले की श्रेणी:- राजस्व

सन:- 2025-2026

कुरूद प.ह.न. 00046 [(हे.)]

पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार पुष्पा साव,

अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकः पुष्पा साव पिता/पति/विभाग-रितेश साव पता-भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला - दुर्ग की भूमि ख.न. 1047/9 रकबा 0.011 हे. आवेदिका के नाम पर दर्ज था! किन्तु उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में रकबा कम प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 29/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा !

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/05/2026 को जारी किया जाता है।

डिकेशवर साहू
अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाई नगर

संपादकीय

भाषा का संयम न रहे तो होता है विवाद

राजनीति में आए दिन राजनीतिक दलों के नेता रोज कहीं न कहीं कुछ कहते हैं या उनको कहना पड़ता है। बहुत से नेता तो ऐसे होते हैं कि वह समझते हैं कि वह किसी पद पर हैं तो उनको गलत काम पर गुस्सा करने का अधिकार है। कोई भी उनसे किसी कार्यक्रम में शिकायत कर दे तो उनको गुस्से में कुछ भी नहीं कहना चाहिए। वह मंच से गुस्से में कुछ कहते हैं तो विवाद हो जाता है कि आप मंत्री,विधायक या सांसद तो किसी का अपमान नहीं कर सकते किसी के खिलाफ कुछ भी नहीं कह सकते ।बड़े पदों पर बैठे लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वह किसी की गलती पर गुस्सा है तो गुस्से में भी आपकी भाषा शालीन व संयमित होनी चाहिए ।नही तो विवाद की स्थिति बनती है और माफी मांगने को कहा जाता है और कई बार माफी मांगनी पड़ती है।

राज्य में अभी सुशासन तिहार चल रहा है। जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन गांव गांव में किया जा रहाहै। शिविरों में सांसद व विधायकों को भी जाना पड़ता है। क्षेत्र के लोग उनसे पटवारी से लेकर अफसरों तक की शिकायत करते हैं कि पटवारी घूसखोर है,बगैर पैसे लिए कोई काम नहीं करता है। हाल ही में सुशासन तिहार के दौरान राजिम के भाजपा विधायक रोहित साहू से किसी ने पटवारी की शिकायत की कि वह घूसखोर है. इतना सुनते ही विधायक को गुस्सा आ गया उन्होंने संबंधित पटवारी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही और गुस्से में यह भी कह दिया कि घूस लेने वाले पटवारी को जूते से मारेंगे। विधायक के बयान का वीडियों वायरल होने पर पटवारी नाराज हो गए कि विधायक ऐसा कैसे कह सकते हैं। नाराज पटवारियों ने सुशासन तिहार के बहिष्कार की चेतावनी भी दी थी।

इसी तरह का एक और मामला सांसद बृजमोहन अग्रवाल का भी सामने आया है। समोदा आरंग मे सुशासन तिहार के दौरान रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल से नाराज लोगों ने शिकायत की कि नायब तहसीलदार काम के लिए पैसे मांगता है और कहता है कि उनको पैसा ऊपर भेजना पड़ता है। इस पर गुस्सा तो सांसद बृजमोहन अग्रवाल को आया लेकिन उनकी भाषा संयमित रही। उन्होंने नायब तहसीलदार को मंच पर बुलाया और उनसे पूछा कि किस सांसद व विधायक को कितना पैसा दे रहे हो बताओ ।सासंद ने शिकायत मिलने पर अधिकारयों को जांच करने को कहा। उन्होंने अधिकारी के बहाने सारे अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्या का समाधान करना आपका काम है। यदि काम नियम से नहीं हो सकता है तो जनता को लिखित में दें। जनता को अंधेरे में न रखें।

यहां जनता की शिकायत पर गुस्सा तो विधायक को भी आया और सासंद को भी आया कि पटवारी या अधिकारी घूस ले रहा है और उसकी शिकायत जनता कर रही है ।सुशासन तिहार है तो जनता को शिकायत करेगी ही। क्योंकि यह तिहार आयोजित ही इसलिए किया जाता है कि जनता को शिकायत है तो वह विधायक,सांसद व मंत्री यहां तक सीएम से कर सके क्योंकि वह उनकी शिकायत सुनने ही उनके पास आए हैं। जनता की शिकायत पर गुस्सा करना भी जरूरी है कि जनता को संदेश जाए कि उसकी शिकायत पर विधायक व सांसद ने पटवारी व अधिकारी को डांटा। लेकिन जनप्रतिनिधि की भाषा ऐसी नहीं होनी चाहिए कि विवाद हो और मामला तूल पकड़े और माफी मांगनी पड़े। इस मामले में सासंद का व्यवहार व उनकी भाषा जैसी थी, जनप्रतिनिधि की भाषा व व्यवहार वैसा ही होना चाहिए। इससे जनता की नाराजगी दूर हो जाए और अफसर भी नाराज न हों। अफसरों का भी लगे कि उनकी शिकायत की गई है इसलिए उनको फटकार लगाई गई है और सबके सामने लगाई है।

भाजपा में हर साल भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान में दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान के तहत जिला स्तरीय प्रशिक्षण शाला का शुभारंभ किया गया है और नेताओं व कार्यकर्ताओं को बताया गया है कि भाजपा राष्ट्रसेवा व अंत्योदय के लिए काम करने वाला संगठन है। इसका प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का काम संकल्प के साथ करता है। इसमे अनुशासन व बूथ मजबूत करने पर भी जोर दिया गया है। अच्छा होता कि भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को यह भी बताया व सिखाया जाता कि आम लोगों के सामने उनकी भाषा कैसी होनी चाहिए, उनका व्यवहार कैसा होना चाहिए ।सत्ता मिलने पर सत्ता का दुरुपयोग तो सभी राजनीतिक दल के लोग करते हैं। ऐसे में भाजपा नेताओं को यह सिखाना चाहिए कि सत्ता का सदुपयोग कैसे किया जाना चाहिए ।सत्ता में हैं तो सत्ता के अहंकार से कैसे बचा जा सकता है।

उपभोक्ता व्यवहार परिवर्तन में वैश्विक संकट का हल

सुरेश सेठ

उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव की अपील की गई है जैसे—पेट्रोल और डीजल का सावधानी से उपयोग, सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो का अधिक इस्तेमाल और कार पूलिंग को बढ़ावा देने का आग्रह। पूरी दुनिया युद्ध के दावानल से गुजर रही है। यह आग थमने का नाम नहीं ले रही। संवाद और समझौते की घोषणाएं होती हैं, जिससे कुछ समय के लिए शेयर बाजारों में उत्साह दिखाई देता है, लेकिन जल्द ही संघर्ष का कठोर सच सामने आ जाता है। यह संघर्ष अब वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। युद्धरत देशों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाने के लिए आपूर्ति मार्गों पर कब्जा जमा लिया है। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच चल रहा तनाव अब होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी तक पहुंच गया है, जिससे हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं।

नतीजा साफ है कि केवल भारत ही नहीं, बल्कि यूरोप जैसे समृद्ध और आयात-आधारित देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी इस युद्ध से चरमरा रही हैं। कोविड काल एक प्राकृतिक महामारी थी, लेकिन वतर्मान संकट मानव निर्मित है, जिसे युद्धरत देशों ने शक्ति प्रदर्शन की होड़ में पैदा किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध से भी इतनी बड़ी आपूर्ति अव्यवस्था नहीं हुई थी, जितनी पश्चिम एशिया के संघर्ष ने पैदा कर दी है।

सबसे गंभीर स्थिति होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी से बनी है। कच्चे तेल और गैस से भरे सैकड़ों जहाज रास्तों में रुके पड़े हैं, जिससे पूरी दुनिया चिंतित है। भारत ने अपने ऊर्जा भंडार के सहारे आर्थिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है, लेकिन यह स्थिति लंबे

समय तक संभालना आसान नहीं होगा। भारत की अर्थव्यवस्था भी बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। पेट्रोल, डीजल, गैस, डामर और यूरेनियम तक इसी मार्ग से आते हैं। ऐसे में आयात संकट गहराता जा रहा है और सीमित भंडार तेजी से घट रहे हैं।

हाल ही में हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को विश्व के लिए गंभीर और भयावह संकट बताया। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल बलिदान देने तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक संकट के समय जिम्मेदारीपूर्ण जीवन जीने में भी है। भारत के सामने इस समय बड़ी चुनौती ऊर्जा आपूर्ति की है, क्योंकि देश अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते खाड़ी देशों से आता है।

इसी मार्ग से प्राकृतिक गैस, तारकोल और किसानों के लिए उर्वरक भी भारत पहुंचते हैं। लेकिन युद्ध के कारण यह रास्ता बाधित हो गया है। लगातार बढ़ती हिंसा और तबाही से साफ है कि शांति वार्ताएं फिलहाल केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं और युद्धरत देश टकराव की राह पर अड़े हैं। ऐसे में निकट भविष्य में होर्मुज मार्ग खुलने की संभावना भी कम नजर आ रही है, जिससे वैश्विक आर्थिक संकट और गहरा सकता है।

प्रधानमंत्री ने पूरे देश से अपने उपभोक्ता व्यवहार को बदलने की अपील की है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि जैसे भी हो, अपने पेट्रोल और डीजल की खपत घटाएं क्योंकि हमारे पास यथेष्ट तेल के कुएं नहीं और हम कच्च तेल बाहर से मंगवाते हैं। अब जब आयात बढ़ेगा तो जाहिर है, हमारे रुपये के मूल्य पर उसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। डॉलर के मुकाबले उसका मूल्य लगातार घटता न जाए, इसलिए देश के पास उचित सोने के भंडार होने चाहिएं। जो उसके विनिमय व्यवहार के काम आएं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से सोने की गैर-जरूरी खरीद से बचने की अपील की है। भारत में विवाह आदि अवसरों पर सोना खरीदना परंपरा और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है, लेकिन बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की पहुंच से इसे दूर कर दिया है। वतर्मान वैश्विक परिस्थितियों में यह स्थिति और गंभीर हो गई है। कोविड के बाद शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक जारी है, वहीं चीन-ताइवान तनाव भी बढ़ता जा रहा है।

इन सभी घटनाओं का संयुक्त प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। ऊर्जा संकट, महंगाई, आपूर्ति शृंखला में बाधा और बाजार की अस्थिरता बढ़ी है। इसका असर भारत सहित अनेक देशों पर दिखाई दे रहा है, जिससे आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ गई है।

विश्व में पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित हो चुकी है। भारत अपनी जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, इसलिए इस संकट का सीधा असर देश के भोजन, ईंधन और कृषि आपूर्ति पर पड़ना तय है। इस स्थिति से निपटने हेतु विदेशी मुद्रा बचाने और ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है।

इसी कारण उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव की अपील की गई है—पेट्रोल और डीजल का सावधानी से उपयोग, सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो का अधिक उपयोग और कारपूलिंग को बढ़ावा देने की बात कही जा रही है। माल ढुलाई में भी रेलवे सेवाओं के अधिक उपयोग पर जोर दिया जा रहा है, हालांकि वतर्मान ढांचे में अभी पूरी तरह परिवर्तन संभव नहीं है। ऐसे में सरकार के सामने मूल्य स्थिरता बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है, जबकि युद्ध का समाधान अभी दूर दिखाई देता है।

वीआईपी काफिला पर अंकुश : दिखावा नहीं हकीकत बने बदलाव की मुहिम

विवेक शर्मा

अब जरूरत केवल अपीलों की नहीं, बल्कि स्थायी नीतियों की है। केंद्र और राज्य सरकारों को स्पष्ट नियम बनाने होंगे कि किस स्तर के नेता और अधिकारी के काफिले में अधिकतम कितनी गाड़ियां होंगी। ऊर्जा संकट, बढ़ती ईंधन कीमतों और संसाधनों के संयमित उपयोग की जरूरत के बीच देश में वीआईपी संस्कृति को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की अपील करते हुए अपने दौरों के दौरान काफिले में शामिल वाहनों की संख्या घटाने की पहल की है। इसके साथ ही उन्होंने अनावश्यक यात्राओं को कम करने और जहां संभव हो, डिजिटल माध्यमों तथा वर्चुअल बैठकों के अधिक उपयोग पर जोर दिया है। इसके बाद देशभर में नेताओं के बीच सादगी प्रदर्शित करने की मानो प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई। कई नेता सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते दिखाई दिए, तो कई ने अपने काफिलों में वाहनों की संख्या घटाने की घोषणा की। विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने काफिलों में कटौती की बात कही है।

लंबे समय से देश में वीआईपी संस्कृति को लेकर भारी असंतोष रहा है। आम लोगों के लिए ट्रैफिक रोक देना, दजर्नों गाड़ियां का काफिला, सायरन और भारी सुरक्षा व्यवस्था असमानता का प्रतीक माने जाते रहे हैं। ऐसे में यदि राजनीतिक नेतृत्व सादगी का संदेश देता है, तो यह स्वाभाविक रूप से लोगों को आकर्षित करता है। इसलिए प्रधानमंत्री की पहल को राजनीतिक व्यवहार में बदलाव के संदेश के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। असल सवाल यह है कि क्या यह बदलाव वास्तविक है या केवल प्रतीकात्मक? जब कोई नेता सार्वजनिक परिवहन में सफर करता दिखाई देता है, तो उसके

सुरक्षाकर्मी और सहयोगी अक्सर पीछे दूसरी गाड़ियों में चलते रहते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वास्तव में ईंधन की बचत हो रही है या केवल राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। जिस देश में आम नागरिक पेट्रोल और डीजल के लिए सौ रुपये से अधिक चुका रहा है, वहां नेताओं के काफिलों पर लाखों रुपये का ईंधन खर्च होना जनता को स्वाभाविक रूप से अखरता है।

आज का मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक है। वह समझता है कि कौन-सा कदम वास्तविक सुधार की दिशा में है और कौन-सा केवल प्रचार के लिए किया गया प्रदर्शन है। आज राजनीति का बड़ा हिस्सा दृश्य संदेशों पर आधारित हो चुका है। चुनौती यह है कि यह संदेश व्यावहारिक बदलाव में कितना बदलता है।

यह भी सच है कि सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं की सुरक्षा राष्ट्रीय जिम्मेदारी होती है। इसलिए केवल काफिला छोटा कर देना ही समाधान नहीं माना जा सकता। असली चुनौती यह है कि तकनीक और स्मार्ट सुरक्षा प्रबंधन के जरिये सुरक्षा और सादगी के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

इस पूरे अभियान में एक और महत्वपूर्ण पक्ष नौकरशाही की भूमिका है। वीआईपी संस्कृति केवल नेताओं तक सीमित नहीं है। कई वरिष्ठ अधिकारियों के काफिले भी किसी मंत्री से कम नहीं होते। सरकारी बैठकों, निरीक्षणों और दौरों के दौरान बड़ी संख्या में गाड़ियां उपयोग में लाई जाती हैं। यदि ईंधन बचत की यह मुहिम सचमुच गंभीर है, तो पूरे प्रशासनिक ढांचे को इसके दायरे में लाना होगा।

ऊर्जा बचत के इस अभियान में डिजिटल कार्य संस्कृति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आज भी कई प्रशासनिक बैठकें और विभागीय चर्चाएं ऑनलाइन माध्यम से की जा सकती हैं। यदि मंत्री और अधिकारी अनावश्यक यात्राओं को कम कर डिजिटल बैठकों को बढ़ावा दें, तो इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि समय और सरकारी खर्च में भी भारी कमी आएगी।

यह मुद्दा केवल पेट्रोल और डीजल बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण और अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिस पर हर साल अरबों रुपये की विदेशी मुद्रा खर्च होती है। बड़े वीआईपी काफिले न केवल ईंधन की भारी खपत करते हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन बढ़ाकर पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

विकसित देशों में राजनीतिक सादगी को प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा माना जाता है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां आम आदमी महंगे ईंधन से परेशान हैं, वहां वीआईपी संस्कृति पर नियंत्रण लोकतांत्रिक संवेदनशीलता का भी प्रश्न बन जाता है। जब कोई नेता सामान्य परिवहन का उपयोग करता दिखाई देता है, तो इससे सत्ता और जनता के बीच की मनोवैज्ञानिक दूरी कम होती है। हालांकि, यह भरोसा तभी मजबूत होगा, जब यह व्यवहार नियमित दिखे।

इस मुहिम को सफल बनाने के लिए केवल सत्तापक्ष ही नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होना होगा। वीआईपी संस्कृति किसी एक दल की समस्या नहीं, बल्कि दशकों पुरानी व्यवस्था है, जिसे बदलने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति चाहिए। यदि काफिलों और अनावश्यक दौरों पर खर्च होने वाले करोड़ों रुपये बचा लिए जाएं, तो इस भारी-भरकम राशि का सीधा उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और जन कल्याण की योजनाओं में किया जा सकता है। असल मायने में यही सच्चे और परिपक्व लोकतंत्र की पहचान होगी।

वीआईपी काफिलों पर होने वाला करोड़ों रुपये का खर्च अंततः करदाताओं की जेब से ही जाता है। अनावश्यक वाहनों और शक्ति प्रदर्शन पर सख्त रोक लगनी चाहिए। इसके साथ ही सरकारी बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से शामिल करने की दिशा में भी काम होना चाहिए। यदि वीआईपी संस्कृति पर लगाम लगाने की पहल ईमानदारी से लागू होती है, तो जनता और व्यवस्था के बीच भरोसा मजबूत होगा।

अबूझमाड़ के जंगलों में बजी मोबाइल की घंटी : डिजिटल युग में प्रवेश करता 'रायनार'

मिशन मोड पर 'साय' सरकार : घने जंगलों को चीरकर पहुँची डिजिटल रोशनी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के सबसे अबूझ कहे जाने वाले अंचल 'अबूझमाड़' के घने जंगलों और पहाड़ों के बीच अब मोबाइल की घंटी गूंज उठी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर के सुदूर वनांचलों को मुख्यधारा से जोड़ने की मुहिम रंग ला रही है। इसी कड़ी में ओरछा विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम रायनार में नया मोबाइल टावर स्थापित कर एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की गई है। कल तक जो इलाका दुनिया की नजरों से ओझल और नेटवर्क से दूर था, वह अब सीधे डिजिटल दुनिया से कनेक्ट हो गया है।

नेटवर्क के लिए पेड़ों और पहाड़ों पर चढ़ने की मजबूरी हुई खत्म

नारायणपुर कलेक्टर ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि रायनार में स्थापित इस नए मोबाइल टावर से क्षेत्र के कई गांवों की तस्वीर बदल गई है। अब ग्राम रायनार (आबादी 590), झोरीगांव (आबादी 220), नुलवट्टी (आबादी 130) और डीडरभट्टी में पूरी तरह से मोबाइल नेटवर्क काम करने लगा है। इसके अलावा रेंगाबेड़ा और मडाली के आंशिक क्षेत्रों में भी सिग्नल पहुँच चुके हैं।

इस सुविधा से 940 से अधिक ग्रामीणों को सदियों पुरानी भौगोलिक अलगाव की समस्या से मुक्ति मिल गई है। इससे पहले यहाँ के

ग्रामीणों को सिर्फ एक फोन कॉल करने या सिग्नल ढूँढने के लिए ऊंचे पेड़ों, पहाड़ों या कई किलोमीटर दूर दूसरे गांवों तक भटकना पड़ता था।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ेंगे विद्यार्थी और ग्रामीण

डिजिटल कनेक्टिविटी का यह नेटवर्क सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं, बल्कि इस आदिवासी अंचल के विकास का नया हाईवे साबित होगा। डिजिटल पढ़ाई का सपना हुआ सच होगा। अब अबूझमाड़ के बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, वे घर बैठे ही देश-दुनिया का ज्ञान हासिल कर सकेंगे। शासन की कल्याणकारी योजनाओं, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल भुगतान की सुविधा अब सीधे ग्रामीणों के मोबाइल तक पहुंचेगी। इसी तरह स्वास्थ्य संकट या किसी आपातकालीन स्थिति में अब ग्रामीण सीधे एम्बुलेंस, डॉक्टरों या जिला प्रशासन से संपर्क कर सकेंगे, जिससे समय पर इलाज संभव होगा।

अबूझमाड़ अब अबूझ नहीं रहेगा

रायनार में पहली बार मोबाइल स्क्रीन पर नेटवर्क की 'फुल डंडियां' देखकर ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिल उठे। स्थानीय ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह हमारे लिए किसी त्योहार से कम नहीं है। अब हम भी देश-दुनिया से सीधे जुड़ गए हैं और हमारा क्षेत्र भी विकास की दौड़ में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेगा।

साय सरकार द्वारा मिशन मोड में किए जा रहे इस प्रयास ने यह साबित कर दिया है कि बस्तर के घने जंगलों के बीच रहने वाले अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही तय हो

डॉ. जगदीप सिंह

पेपर लीक पर नियंत्रण सिस्टम की मजबूती, भ्रष्टाचार नियंत्रण, तकनीकी उपयोग और सामाजिक मूल्य समृद्ध करने से होगा, जहां मेरिट व कौशल को सर्वोच्च महत्व दिया जाए। हाल ही में नीट परीक्षा के पेपर लीक की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है। वर्षों से नीट, जेईई, यूपीएससी, एसएससी और विभिन्न राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में बार-बार होने वाले पेपर लीक युवाओं के भविष्य के साथ निरंतर खिलवाड़ बन गए हैं।

छात्र-छात्राएं रात-दिन की मेहनत, परिवार का आर्थिक बलिदान और कोचिंग संस्थानों पर खर्च के बावजूद एक संगठित गिरोह की वजह से अपनी मेहनत को व्यर्थ होते देखते हैं। पिछले पांच वर्षों में 15 राज्यों में 41 प्रमुख परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं, जिनसे करीब 1.4 करोड़ युवा प्रभावित हुए। सात वर्षों की अवधि में यह संख्या 70 से अधिक पहुंच गई है और लगभग 1.7 करोड़ अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रतिभा और मेरिट को कमजोर करने वाली है।

जब चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रशासनिक सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अयोग्य उम्मीदवारों का चयन होता है, तो समाज और देश दोनों को दीघर्कालिक क्षति पहुंचती है। युवा पीढ़ी में निराशा बढ़ती है, कई बार आत्महत्या जैसे कदम भी उठाए जाते हैं। कोचिंग माफिया, भ्रष्ट अधिकारी, प्रिंटिंग प्रेस के कमर्चारी और डिजिटल नेटवर्क मिलकर एक शक्तिशाली गिरोह का रूप ले चुके हैं। गरीब छात्र बिना संसाधनों के तैयारी करते हैं, जबकि साधन रखने वाले लीक पेपर खरीदकर सफलता हासिल कर लेते हैं। इससे सामाजिक असमानता बढ़ती है और मेरिट की जगह सिफारिश और पैसा हावी हो जाता है। परिणामस्वरूप सही प्रतिभा को अवसर नहीं मिल पाता।

इस समस्या को समाप्त करने के लिए सशक्त और देश में एकसमान कानून की तत्काल जरूरत है। वर्तमान में लागू पब्लिक एग्जामिनेशंस एक्ट में तीन से दस वर्ष की जेल और जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन इसका क्रियान्वयन कमजोर रहा है। नए कानून में परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति—प्रश्न सेटर, प्रिंटर, परिवहनकर्ता और केंद्र अधीक्षक—की कड़ी सुरक्षा जांच, डिजिटल ट्रैकिंग और जवाबदेही तय होनी चाहिए। पेपर तैयार करने से लेकर वितरण तक ब्लॉकचेन या एआई आधारित एन्क्रिप्शन प्रणाली अपनाई जाए। लीक कराने, खरीदने या मध्यस्थता करने वालों के लिए न्यूनतम दस वर्ष की जेल, संपत्ति जब्ती और आजीवन परीक्षा प्रतिबंध जैसी कठोर सजाएं हों। सीबीआई या विशेष एजेंसी को स्वतः संज्ञान लेने का अधिकार मिले और फास्ट-ट्रैक अदालतों में मुकदमों का निपटारा सुनिश्चित किया जाए। साथ ही व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सख्त निगरानी और त्वरित कारर्वाई का प्रावधान होना चाहिए। विकसित देशों में पेपर लीक जैसी घटनाएं अत्यंत दुर्लभ हैं क्योंकि उनकी परीक्षा प्रणाली पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और जवाबदेह है। अमेरिका में एसएटी, एसीटी और एमसीएटी जैसी परीक्षाएं स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा आयोजित की जाती हैं। ये ज्यादातर कंप्यूटर आधारित होती हैं, जिसमें प्रश्न रैंडमाइज्ड होते हैं। चीटिंग को गंभीर नैतिक उल्लंघन माना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय से निष्कासन या डिग्री रद्द हो सकती है। बड़े पैमाने के फ्रॉड में आपराधिक मुकदमा चलता है।

यूरोपीय देशों जैसे फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन में भी स्थिति बेहतर है। फ्रांस में बैकलॉरिएट परीक्षा में चीटिंग पर तीन वर्ष तक की जेल हो सकती है। ब्रिटेन की कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड जैसी परीक्षाओं में लीक की घटनाएं लगभग नहीं होतीं। जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया में परीक्षा संस्कृति इतनी मजबूत है कि लीक की संभावना ही नहीं रहती। चीन में गाओकाओ परीक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय मानकर चीटिंग पर सात वर्ष तक जेल और अन्य परीक्षाओं पर प्रतिबंध लगाया जाता है। इन देशों में परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, मेटल डिटेक्टर और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग मानक हैं। मुख्य अंतर सिस्टम की मजबूती, भ्रष्टाचार नियंत्रण, तकनीकी उपयोग और सामाजिक मूल्यों में है, जहां मेरिट और कौशल को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। भारत में सुधार के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। पूरी परीक्षा प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाए, जिसमें प्रश्न बैंक से रैंडम प्रश्न चुने जाएं और हर छात्र को अलग सेट मिले। एनटीए जैसी संस्थाओं को स्वायत्त लेकिन सख्त जवाबदेही के दायरे में लाया जाए तथा स्वतंत्र बोर्ड द्वारा नियमित ऑडिट किया जाए। बड़े कोचिंग संस्थानों पर वित्तीय निगरानी और छापेमारी बढ़ाई जाए। स्कूल स्तर से नैतिक शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाएं।

भारत एक युवा राष्ट्र है। यदि इन युवाओं का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास टूट गया तो देश की विकास क्षमता प्रभावित होगी। निष्पक्ष परीक्षाएं ही प्रतिभा को सही दिशा दे सकती हैं और कौशल-आधारित समाज का निर्माण कर सकती हैं। सरकार को राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। विपक्ष, मीडिया, शिक्षाविद् और समाज सभी को मिलकर इस लड़ाई में योगदान देना होगा। यदि हम अभी सशक्त कानून नहीं बनाते, तकनीकी सुरक्षा नहीं अपनाते और सख्त कारर्वाई नहीं करते, तो भारत के बच्चों के भविष्य के साथ यह खिलवाड़ जारी रहेगा। एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए निष्पक्ष और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली अनिवार्य है। तभी आने वाली पीढ़ियां सपनों को मेहनत से हासिल करने का विश्वास रख सकेंगी और राष्ट्र प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

आज केकेआर के लिए करो या मरो का मुकाबला, रंग में भंग डालने की कोशिश करेगा मुंबई

कोलकाता (एजेंसी)। टूर्नामेंट की खराब शुरुआत के कारण अगर मगर की कठिन डगर में फंसी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले मैच में किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़नी होगी। मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है लेकिन वह केकेआर के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में उसकी टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहेगी। श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में खिताब जीतने के एक साल बाद 2025 में केकेआर आठवें स्थान पर रहा था। मुंबई के खिलाफ जीत से भी केकेआर का काम पूरा नहीं होगा। उसका भाग्य अभी भी शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। अगर पंजाब वह मैच जीत जाता है, तो रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ केकेआर का आखिरी लीग मैच महज औपचारिकता रह जाएगा।

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस प्रतियोगिता से बाहर हो चुके हैं। इससे पांच टीम पंजाब किंग्स (13 अंक), राजस्थान रॉयल्स (12), चेन्नई सुपर किंग्स (12), दिल्ली कैपिटल्स (12) और कोलकाता नाइट राइडर्स (11) बाकी बचे एक प्लेऑफ स्थान हासिल करने की दौड़ में हैं। इनमें से केवल राजस्थान रॉयल्स और केकेआर के ही दो मैच बचे हैं।

राजस्थान के लिए सबसे सरल समीकरण है। लखनऊ और मुंबई के खिलाफ अपने बचे हुए दोनों मैच जीतकर 16 अंक हासिल करके क्वालीफाई करना। दूसरी ओर चयक्र को न केवल अपने दोनों मैच जीतने होंगे, बल्कि यह भी उम्मीद करनी होगी कि पंजाब की टीम लखनऊ से हार जाए। पंजाब का नेट रन रेट चयक्र से बेहतर है। चयक्र ने अपने पिछले 6 मैचों में से पांच में जीत हासिल की है लेकिन टूर्नामेंट के शुरू में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था जिससे टीम को काफी नुकसान हुआ।

कप्तान रहाणे और कोच अभिषेक नायर को विजयी संयोजन तय करने में लगभग सात मैच लग गए। फिन एलन ने शीर्ष क्रम में अपनी फॉर्म को फिर से हासिल कर लिया है। उन्होंने अपनी पिछली तीन पारियों में एक शतक और 93 रन की तूफानी पारी खेली है, जबकि युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी और कैमरन ग्रीन का आत्मविश्वास हर मैच के साथ बढ़ता जा रहा है। शीर्ष क्रम में रहाणे एकमात्र कमजोर कड़ी रहे हैं, लेकिन उप-कप्तान रिंकू सिंह ने मध्य क्रम में फिनिशर की अपनी भूमिका को बखूबी निभाया है।

टीमें

कोलकाता नाइट राइडर्स – अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, तेजस्वी सिंह, टिम सीफर्ट, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, कैमरन ग्रीन, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती और प्रशांत सोलंकी।

मुंबई इंडियंस – हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रयान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डी कॉक, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, एएम गजनफर, मयंक रावत, रघु शर्मा, मोहम्मद सलाहुद्दीन इज़हार और रॉबिन मिंज।

क्या वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल डेब्यू के लिए तैयार नहीं?

- IPL में शॉर्ट पिच से स्लोअर बॉल तक कई कमियां उजागर

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी का जोश हेजलवुड, जसप्रीत बुमराह, मिचेल स्टार्क और ट्रेंट बोल्ट के ऊपर सिक्सर की चर्चा सबने की। मगर वैभव का प्रफुल हिंगे के खिलाफ शॉर्ट पिच गेंद पर विकेट। उसके बाद रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के माधव तिवारी की स्लोअर गेंद पर वैभव का विकेट फेंकना, इन बातों पर चर्चा नहीं हुई लेकिन क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने इन चीजों में वैभव की कमियों को बारीकी से पकड़ लिया। यही कारण है कि अभी 15 वर्षीय बल्लेबाजो को कड़ी मेहनत करनी है और शायद वह इंटरनेशनल

क्रिकेट के लिए तैयार नहीं हैं। वैभव सूर्यवंशी इन दिनों क्रिकेट जगत का हॉट टॉपिक हैं। हर कोई यही सवाल कर रहा है कि उनके टीम इंडिया में डेब्यू का सही समय क्या है। पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने तो यह तक कहा है कि उनकी उम्र कुछ भी हो लेकिन वैभव को टीम के टी20 फॉर्मेट में कम से कम जगह मिलनी चाहिए। इसके अलावा हरभजन सिंह लगातार वैभव को टीम इंडिया में लाने की मांग कर रहे हैं।

दिग्गजों की बंटी राय...

एक तरफ कुछ ऐसे दिग्गज हैं जिनका मानना है कि वैभव सूर्यवंशी इंटरेशनल डेब्यू के लिए तैयार हैं। वहीं एक पक्ष ऐसा भी है जिसका मानना है कि अभी वैभव के सामने कई चुनौतियां आना बाकी है, अभी वैभव हर वर्ग में मजबूत नहीं हुए हैं। वैभव से पहले भी कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय से खुद को साबित कर रहे हैं। एबी डिविलियर्स ने हाल ही में कहा था कि, अगर वैभव को टी20 का स्पेशलिस्ट बनकर ही रहना है तो वह जारी रख सकते हैं और लंबे समय तक अपना करियर आगे ले जा सकते हैं। लेकिन अगर बात वनडे और टेस्ट क्रिकेट की आती है तो वैभव सूर्यवंशी को आने वाले समय में और अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। मोहम्मद कैफ ने वैभव सूर्यवंशी की फील्डिंग क्षमताओं पर सवाल उठाए थे। उनका मानना था कि टीम इंडिया में खेलने के लिए आपकी फील्डिंग में चपलता जरूरी है। वैभव ने मौजूदा आईपीएल 2026 के 12 मैचों में एक भी कैच नहीं पकड़ा है। चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि बहुत जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं हैं उनसे पहले भी यशस्वी जायसवाल जैसे अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं जो टीम इंडिया में जगह के हकदार हैं।

मुशफिकुर रहीम का ऐतिहासिक शतक

दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश का दबदबा, पाकिस्तान को मिला 437 का लक्ष्य

नई दिल्ली। मुशफिकुर रहीम के ऐतिहासिक शतक से बांग्लादेश ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट में सोमवार (18 मई) को पाकिस्तान के सामने जीत के लिये 437 रन का लक्ष्य रखा। रहीम ने 233 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 137 रन बनाये जिसके दम पर बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 390 रन बनाये। यह उनका 14वां शतक था जिससे वह मोमिनुल हक को पछाड़कर बांग्लादेश के लिये सबसे ज्यादा टेस्ट शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। पहली पारी में 126 रन बनाने वाले लिटन दास ने दूसरी पारी में 69 रन का योगदान दिया। अब पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करके जीत दर्ज करनी है।

चेन्नई को हरा प्लेऑफ में पहुंची सनराइजर्स

इशान, क्लासेन और कमिंस चमके

नई दिल्ली। इशान किशन के 70 रन और पैट कमिंस के तीन विकेट की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में प्लेआफ में जगह पक्की कर ली। जीत के लिये 181 रन का लक्ष्य चेपक की धीमी विकेट पर आसान नहीं था, लेकिन इशान ने 47 गेंद की अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाकर इसे आसान बना दिया। हेनरिक क्लासेन ने 26 गेंद में 47 रन बनाये और दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 75 रन की साझेदारी करके हैदराबाद को 19 ओवर में पांच विकेट पर 181 रन तक पहुंचाया। सनराइजर्स के अब 16 अंक है और उसे एक मैच और खेलना है। चेन्नई सुपर किंग्स की हार के बाद गुजरात टाइटंस (16 अंक) भी प्लेआफ में पहुंच गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (18 अंक) पहले ही प्लेआफ में पहुंच चुकी है और अब बस एक स्थान के लिये मुकाबला है। चेन्नई के 13 मैचों में 12 अंक है और वह दौड़ से पूरी तरह बाहर नहीं हुई है।

क्लासेन को जीवनदान

अभिषेक शर्मा भी 21 गेंद में 26 रन ही बना सके। पावरप्ले में स्कोर एक विकेट पर 45 रन था। क्लासेन को नूर अहमद की गेंद पर 18 के स्कोर पर स्पेंसर जॉनसन ने जीवनदान दिया। इसके बाद क्लासेन और इशान ने मैच का नक्शा ही बदल दिया। दोनों ने चेन्नई के स्पिनरों अकील हुसैन और नूर अहमद को सहजता से खेला। इशान ने 37 गेंद में 50 रन पूरे किये। वहीं नूर की गेंद पर संजू सैमसन की कुशल स्टम्पिंग का शिकार होकर क्लासेन आउट हो गए।

चेन्नई सुपर किंग्स ने 180 रन बनाये– इशान को अंशुल कम्बोज ने आउट किया, लेकिन उस समय सनराइजर्स को जीत के लिये छह रन की ही जरूरत थी। इससे पहले कमिंस ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट लिये, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स ने सात विकेट पर 180 रन बना लिये।

पीरियड्स एक सामान्य प्रक्रिया

एक जागरूकता कार्यक्रम में कहा इस पर बिना संकोच चर्चा होना चाहिए: स्मृति मंधाना

मुंबई। भारत में क्रिकेट और क्रिकेटरों की लोकप्रियता किसी भी खेल और खिलाड़ियों से ज्यादा है। यही वजह है कि क्रिकेटरों को सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए देखा जाता है। इसकी वजह उनकी कही बात का असर बड़े जनमानस पर पड़ना है। मुंबई में महिलाओं की पीरियड्स (मासिक धर्म) से जुड़ी समस्याओं से संबंधित एक जागरूकता कार्यक्रम में भारतीय महिला क्रिकेट की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने हिस्सा लिया और इस विषय पर सामान्य रूप से चर्चा किए जाने की जरूरत पर बल दिया। मंधाना ने कहा, 'गांव में पीरियड्स के बारे में बातचीत दबी जुबान में होती है। इसे छुपाया जाता है, जबकि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। इस पर बिना झिझक के चर्चा की जानी चाहिए। मैं अपनी तरफ से हर प्रयास करूंगी कि ग्रामीण क्षेत्रों में इसे लेकर जागरूकता फैले और चीजें सामान्य हो।' भारतीय उपकप्तान ने संबंधित संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुझे इस कार्यक्रम से जुड़कर अच्छा महसूस हो रहा है। यह काफी रोमांचक है। संस्था द्वारा गांव-गांव में पीरियड्स जागरूकता संबंधी कई अभियान चल रही हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि ये कार्यक्रम यूं ही चलता रहेगा और मेरी जरूरत जहां भी होगी मैं आउंगी। हम मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के बारे में कार्य करते रहेंगे। हमारा लक्ष्य जीरो पीरियड को बढ़ावा देना है।

इस दौरान मंधाना उन स्कूली छात्राओं से मिलीं, जो क्रिकेट खेलती हैं। इस पर उन्होंने कहा, 'छोटे-छोटे बच्चों से मिलना और उनसे बातें करना काफी रोमांचक था। लंबे समय बाद स्कूल में आने का मौका मिला। मुझे अपने स्कूल के दिन याद आ गए।'

छात्राओं को आप क्या संदेश देती हैं? इस पर भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'मैं उनसे कहती हूं कि क्रिकेट को गंभीरता से लें। इसमें बेहतर करियर बनाया जा सकता है। खेल में करियर बनाने के लिए कठिन मेहनत जरूरी है और उसका आनंद लेना भी जरूरी है। मैंने यही किया है। मैं हर किसी को सलाह दूंगी कि अपने जीवन में खेल को शामिल करें। फिटनेस के लिए यह बहुत जरूरी है।'

मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका

डी कॉक और युवा ऑलराउंडर अंगद पूरे सीजन से बाहर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियन को आईपीएल 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज डी काक और युवा ऑलराउंडर राज अंगद चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। मुंबई इंडियंस ने सोमवार को आधिकारिक बयान जारी कर दोनों खिलाड़ियों की इंजरी की जानकारी दी।

डी कॉक की कलाई में गंभीर चोट

मुंबई इंडियंस के अनुसार, क्विंटन डी कॉक को बाएं हाथ की कलाई में टेंडन इंजरी हुई है। यह चोट उन्हें 29 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से पहले लगी थी। इसी कारण अब वह आईपीएल 2026 के बाकी मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। डी कॉक इस सीजन मुंबई के लिए अहम बल्लेबाजों में शामिल थे, लेकिन चोट के चलते टीम को बड़ा नुकसान हुआ है।

- **राज बावा भी टूर्नामेंट से बाहर-** वहीं युवा बल्लेबाजी ऑलराउंडर राज अंगद बावा को पंजाब किंग्स के खिलाफ 14 मई को खेले गए मैच के दौरान दाहिने अंगूठे में लिगामेंट टियर हो गया। मेडिकल जांच के बाद उन्हें भी पूरे सीजन से बाहर कर दिया गया है। मुंबई इंडियंस ने बताया कि दोनों खिलाड़ी अपने-अपने घरों पर रहकर रिहैब करेंगे और फ्रेंचाइजी की मेडिकल टीम लगातार उनकी निगरानी करेगी।

पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है मुंबई

हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 सीजन बेहद खराब रहा है। टीम 12 में से सिर्फ 4 मुकाबले जीत सकी, जबकि 8 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ मुंबई पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है। अब टीम बाकी मुकाबलों में सम्मान बचाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

ढाई साल बाद ब्राजील टीम में लौटे नेमार, वर्ल्ड कप स्क्वॉड में मिली जगह

ब्राजील (एजेंसी)। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार की आखिरकार राष्ट्रीय टीम में वापसी हो गई है। ब्राजील के मुख्य कोच Carlo Ancelotti ने अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप के लिए 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया, जिसमें नेमार का नाम भी शामिल है। लगभग ढाई साल बाद नेमार की ब्राजील टीम में वापसी हुई है।

चोट के बाद पहली बार टीम में वापसी – 34 वर्षीय नेमार ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए मुकाबला खेला था। उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालीफायर में उन्हें गंभीर इंजरी हुई थी, जिसके बाद वह लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे। नेमार फिलहाल सेनटोस एफसी के लिए खेल रहे हैं। जनवरी 2025 में क्लब में वापसी के बाद उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 38 मैचों में 17 गोल किए हैं, लेकिन चोटों के कारण उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावित रहा।

एंसेलोटी ने बताया क्यों चुना नेमार को – कार्लो एंसेलोटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि नेमार को बैकअप खिलाड़ी के तौर पर नहीं चुना गया है। उन्होंने कहा कि टीम को उनकी गुणवत्ता और अनुभव की जरूरत है। एंसेलोटी ने कहा, नेमार चाहे 1 मिनट खेलें या 90 मिनट, सबसे जरूरी है कि वह टीम को क्या योगदान देते हैं। वह तभी खेलेंगे जब ट्रेनिंग और फिटनेस के आधार पर इसके हकदार होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे साल नेमार की फिटनेस पर नजर रखी गई और अब वह धीरे-धीरे बेहतर स्थिति में पहुंच रहे हैं।

आईपीएल 2027 में खेलेंगे या नहीं?

रैना को दिया धोनी ने जवाब, अब मेरा शरीर थोड़ा कमजोर हो गया, फैंस हुए मायूस

चेन्नई (एजेंसी)। एम एस धोनी को लेकर एक बार फिर आईपीएल रिटायरमेंट की चर्चा तेज हो गई है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइज हैदराबाद के मुकाबले के दौरान ऐसा भावुक पल देखने को मिला, जिसने फैंस को भावुक कर दिया। सीएसके के पूर्व स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना ने खुलासा किया कि उन्होंने धोनी से आईपीएल 2027 में खेलने को कहा, लेकिन माही के जवाब ने सभी का दिल तोड़ दिया।

चोट के कारण पूरे सीजन नहीं खेले धोनी – 44 वर्षीय धोनी इस पूरे आईपीएल 2026 सीजन में चोट के कारण एक भी मैच नहीं खेल सके। हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स के आखिरी होम मैच में उन्होंने मैदान पर आकर फैंस का अभिवादन किया। धोनी ने टीम फोटो के लिए मैदान पर एंट्री की और बाद में चेपॉक में 'लैप ऑफ ऑनर' भी लगाया। धोनी को मैदान पर देखकर चेन्नई के फैंस काफी भावुक नजर आए। इस दौरान उनकी मुलाकात सुरेश रैना से भी हुई, जो मैच में कमेंट्री कर रहे थे।

रैना ने किया आईपीएल 2027 में खेलने का आग्रह – सुरेश रैना ने स्टार स्पोर्ट्स बातचीत के दौरान बताया कि उन्होंने धोनी से अगले सीजन खेलने की अपील की थी। रैना ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 को मिस कॉल दी है, यह नहीं चलेगा। आपको अगले साल वापस आना होगा। लेकिन धोनी का जवाब सुनकर फैंस मायूस हो सकते हैं। रैना ने बताया कि धोनी ने कहा, मेरा शरीर अब थोड़ा कमजोर हो गया है। हालांकि रैना ने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इस जवाब को मानने वाले नहीं हैं और चाहते हैं कि धोनी अगले साल फिर मैदान पर उतरें।

स्टीफन फ्लेमिंग ने भी दिया बड़ा बयान – मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएसके के मुख्य कोच स्टेफिन फ्लेमिंग से भी धोनी के भविष्य को लेकर सवाल पूछा गया। फ्लेमिंग ने कहा कि यह फैसला टीम मैनेजमेंट का होगा। उन्होंने कहा, धोनी

फिल्म में सलमान खान से ज्यादा फीस मिलने पर बोलीं भाग्यश्री

अभिनेत्री भाग्यश्री इन दिनों फिल्म 'राजा शिवाजी' की कामयाबी से खुश हैं। इस बीच उन्होंने 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'मैंने प्यार किया' में मिली फीस पर बात की है। इस फिल्म में उन्हें अपने को-स्टार सलमान खान से ज्यादा पैसे मिले थे। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में पेमेंट स्ट्रक्चर की असलियत के बारे में समझाया है।

डिमांड सप्लाई पर निर्भर है

जूम के साथ बातचीत में भाग्यश्री से पूछा गया कि 'मैंने प्यार किया' में उन्हें सलमान खान से ज्यादा पैसे क्यों मिले थे। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एक्टर की फीस सप्लाई और डिमांड से तय होती है। उन्होंने कहा 'मुझे नहीं पता कि लोगों को मेरी बात पसंद आएगी या नहीं। यह काफी हद तक सप्लाई और डिमांड पर निर्भर करता है। यह एक सीधा-सा बिजनेस है।'

एक्ट्रेस को होना पड़ता है मजबूर

भाग्यश्री ने आगे कहा 'एक महिला भले ही कितनी भी मेहनत करे, लेकिन अगर प्रोड्यूसर को लगता है कि उसकी जगह कोई और बेहतर कीमत पर काम करने को तैयार है, तो वे उसी कीमत पर अड़े रहेंगे जो वे उस खास एक्ट्रेस को देना चाहते हैं। ऐसे में, एक्ट्रेस को यह फैसला लेना पड़ता है कि क्या वह अपने हाथ आए काम को करे या छोड़ दे। जब तक सभी महिलाएं एक साथ आकर यह नहीं कहतीं कि हमें इतनी ही पेमेंट मिलनी चाहिए, तब तक हालात सही नहीं होंगे।'

कोई राजी होगा तो कोई नहीं

उन्होंने आगे कहा 'हमेशा कोई न कोई ऐसा होगा जो मोलभाव करने और पीछे हटने को तैयार रहेगा। हमेशा कोई न कोई ऐसा होगा जो कहेगा, 'ठीक है, मैं इसके बदले यह कर लूंगा।' चाहे बात काम के घंटों की हो, या पेमेंट की शर्तों की। यह एक बहुत ही अस्थिर बाजार है।'

सलमान को मिली थी कम पेमेंट

बता दें कि 2023 में एक्ट्रेस परवीन दस्तूर, जिन्होंने 'मैंने प्यार किया' में सीमा का रोल निभाया था, ने बताया कि सुपरस्टार सलमान खान को नहीं, बल्कि भाग्यश्री को फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर सबसे ज्यादा पेमेंट मिली थी। परवीन ने दावा किया कि भाग्यश्री को इस फिल्म के लिए 1,50,000 रुपये दिए गए थे। सलमान खान ने पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें इसी फिल्म के लिए 75,000 रुपये मिले थे। 'मैंने प्यार किया' 1989 में रिलीज हुई थी।

आखिरी सवाल फिल्म महज प्रोजेक्ट नहीं, एक भावना है

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी फिल्म 'आखिरी सवाल' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों के ईर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी और समीरा रेड्डी ने अपने अनुभव और विचार शेयर किए। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी का कहना है कि यह फिल्म महज एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावना है। उन्होंने कहा, 'मैंने इस फिल्म में 'सारा' नाम की छात्रा का किरदार निभाया है। मेरा मानना है कि शैक्षिक संस्थान ही वह जगह है, जहां भविष्य के नेता तैयार होते हैं। हम सभी की अपनी-अपनी विचारधाराएं होती हैं और उन पर हमारा अटूट विश्वास होता है।' त्रिधा ने आगे कहा कि सिनेमा में वह ताकत है, जो आपको अपनी बात रखने की 'सिनेमाई आजादी' देती है। उन्होंने पूरी टीम का जिक्र करते हुए कहा, 'इस फिल्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है। फिल्म के जरिए हमने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में विचारधारा कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अभिनेत्री समीरा रेड्डी फिल्म के जरिए लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने 'आखिरी सवाल' में वामपंथी विचारधारा वाली महिला का किरदार निभाया है, जो कहानी के भीतर की स्थिति को चुनौती देती है। समीरा ने कोलकाता आने पर प्रसन्नता जाहिर की और कहा, 'मैं यहां पर मौजूद सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। साथ ही, सिटी ऑफ जॉय में वापस आकर बहुत खुश हूं। मैं कहना चाहूंगी कि मिथुन दा को 20 साल बाद देखकर मैं बहुत खुश हूं। तो यह वैसा पल है, जिसके लिए मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मिथुन दा को देखकर बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि स्क्रिप्ट के बारे में सबसे प्रभावशाली बात, खासकर अभिजीत वरन जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक के साथ, यह थी कि वह कोई उपदेश नहीं दे रहे थे। वह बस तथ्य सामने रख रहे थे।'

अभिनेत्री ने अपने किरदार 'डॉ. पल्लवी' के बारे में बताया कि वह अलगाववादी विचारधारा की है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा पात्र है, जो समाज में दबे हुए सवालों को कुरेदता है और लोगों के बीच हलचल पैदा करता है। एक महिला कलाकार के तौर पर इस तरह का सशक्त और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना मेरे लिए मजेदार था।'

'पेद्दी' और 'है जवानी तो इश्क होना है' के क्लैश पर क्या बोले वरुण और जान्हवी

जहां जान्हवी और राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' 4 जून को रिलीज होगी, वहीं वरुण की कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' एक दिन बाद 5 जून को सिनेमाघरों में आएगी। इस पर दोनों एक्टर्स ने सोशल मीडिया पर रिएक्ट किया है। जान्हवी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो शेयर करते हुए इस बॉक्स ऑफिस क्लैश पर मजेदार रिएक्शन दिया। उन्होंने कैप्शन में वरुण धवन को टैग करते हुए लिखा, 'हमारे बीच क्लैश होने वाला है।' इस पर जवाब देते हुए वरुण ने लिखा, 'तुम शानदार हो और तुम्हारे साथ कभी क्लैश नहीं हो सकता।' वरुण ने इस वीडियो को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी शेयर किया और लिखा, 'तुम्हारे साथ ये सिर्फ एक हल्की-फुल्की टक्कर है जान्हवी। तुम 'पेद्दी' में बहुत शानदार लग रही हो। अपने दोस्त की फिल्म देखने का इंतजार नहीं हो रहा।'

है जवानी तो इश्क होना है के बारे में

बता दें कि 'है जवानी तो इश्क होना है' पहले 5 जून को रिलीज होने वाली थी। लेकिन जब यश की फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज 4 जून तय हुई, तो मेकर्स ने इसे 12 जून तक आगे बढ़ा दिया। बाद में इसे 22 मई के लिए रीशेड्यूल किया गया, लेकिन अब आखिरकार फिल्म 5 जून को ही रिलीज होगी। डेविड धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े लीड रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा राकेश बेदी, मौनी रॉय, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल और मनीष पॉल भी फिल्म का हिस्सा हैं।

'पेद्दी' फिल्म के बारे में

वहीं 'पेद्दी' की बात करें तो इसमें राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ शिवा राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है, और यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी।

चहल के साथ रिलेशनशिप की खबरों के बीच आरजे महवश ने तोड़ी चुप्पी

सोशल मीडिया पर इन दिनों आरजे महवश और युजवेंद्र चहल की दोस्ती फिर चर्चा में है। हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिसके बाद उनके रिश्ते में अनबन की खबरें सामने आने लगीं। अब इस पूरे मामले पर महवश ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

अनफॉलो करना कोई बड़ी बात नहीं

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में बात करते हुए महवश ने कहा कि लोग छोटी-छोटी बातों को बहुत बड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा, 'दोस्तों के बीच बहस होना, एक-दूसरे को अनफॉलो करना कोई बड़ी बात नहीं है। जिन दोस्तों के साथ आपने हंसी-मजाक के पल बिताए हों, उनके लिए दिल में कड़वाहट नहीं रखनी चाहिए। मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'जिंदगी बहुत छोटी है। लोगों को माफ करके आगे बढ़ जाना चाहिए। दोस्तों के बीच फॉलो-अनफॉलो का ड्रामा चलता रहता है, इसमें इतना बड़ा मुद्दा बनाने जैसी कोई बात नहीं है।'

रिलेशनशिप पर कही ये बात

जब उनसे पूछा गया कि क्या कभी उनका रिश्ता दोस्ती से आगे बढ़ा था, तो महवश ने साफ इनकार किया। उन्होंने कहा, 'ऐसा कुछ भी नहीं था। मैं दोस्ती को बहुत अहमियत देती हूं। उस समय वह अपने जीवन के मुश्किल दौर से गुजर रहे थे और हमने सिर्फ एक अच्छे दोस्त की तरह उनका साथ दिया।'

क्यों शुरू हुई थीं डेटिंग की अफवाहें?

दरअसल, युजवेंद्र चहल और आरजे महवश को कई बार साथ देखा गया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के रिलेशनशिप की खबरें तेज हो गई थीं। खासकर धनाश्री वर्मा से चहल के तलाक के बाद ये चर्चाएं और बढ़ गईं। हालांकि दोनों हमेशा यही कहते आए हैं कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

प्रियंका चोपड़ा के हाथ लगा एक और हॉलीवुड प्रोजेक्ट

प्रियंका चोपड़ा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। हाल ही में उनकी एक सीरीज 'सिटाडेल 2' रिलीज हुई। डायरेक्टर राजामौली की मेगा बजट दक्षिण भारतीय फिल्म 'वाराणसी' भी वह कर रही हैं। अब उनके हाथ एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट और लगा है। इस फिल्म का नाम 'रीसेट' है। यह एक सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म होने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा को मैट स्मूकलर द्वारा निर्देशित आगामी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'रीसेट' मिली है। इस फिल्म में उनके साथ ऑरलैंडो ब्लूम को कास्ट किया गया है। प्रियंका चोपड़ा ने भी इस खबर को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और इस पर एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने रिएक्ट किया। प्रियंका चोपड़ा के फैंस ने भी इस न्यूज पर जमकर रिएक्शन दिया है। फिल्म 'रीसेट' की शूटिंग को लेकर भी अपडेट सामने आया है। इस फिल्म की शूटिंग अगस्त महीने में शुरू हो सकती है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म में एक्टिंग करने के साथ इसे प्रोड्यूस भी करेंगी। बता दें कि हॉलीवुड में देसी गर्ल एक्टिंग के अलावा प्रोडक्शन की फील्ड में भी उतर चुकी हैं।

अब लोग जानेंगे कि मेरे दिमाग में सच में क्या चलता है

'बालिका वधू' की छोटी आनंदी बनकर घर-घर पहचान बनाने वाली अविका गौर अब एक बार फिर 'खतरों के खिलाड़ी' के मंच पर लौट रही हैं। लेकिन, इस बार उनकी वापसी सिर्फ एक रियलिटी शो का हिस्सा बनने के लिए नहीं है। सीजन 9 में सबसे पहले बाहर होने के बाद अविका अब अपने डर, अपनी पुरानी छवि और खुद की कमजोरियों से दोबारा भिड़ने जा रही हैं। बातचीत के दौरान अविका ने साफ कहा कि पहले वाली 'सहन करने वाली' लड़की अब बदल चुकी है। अब वह किसी की भी बदतमीजी चुपचाप सहने वालों में से नहीं हैं।

मेरे अंदर की बहादुर लड़की को लोगों ने कभी देखा ही नहीं

अविका मानती हैं कि इस बार शो में सबसे बड़ा चैलेंज कोई स्टंट नहीं, बल्कि खुद को बिना किसी पर्दे के लोगों के सामने रखना है। उन्होंने कहा, 'लोगों को ये देखना चाहिए कि उस मासूमियत के साथ मेरे अंदर एक ऐसा हिस्सा भी है जो बहादुर है और मुश्किल चीजों से डरता नहीं है। मैं चुनौतियों से पीछे हटने वालों में से नहीं हूं। मुझे लगता है कि लोगों ने हमेशा मेरा सिर्फ एक ही रूप देखा है। लेकिन अब शायद वो समझ पाएंगे कि मैं मेंटली कितनी मजबूत हूं और मुश्किल हालात को संभाल सकती हूं।'

मैं हमेशा सोच-समझकर बोलती थी... अब वो रोक हटानी है

इस बार अविका को सबसे ज्यादा डर ऊंचाई या खतरनाक एक्शन से नहीं...बल्कि उन चीजों से लग रहा है जिनका नाम सुनकर भी वह असहज हो जाती हैं। 'मुझे लगता है सबसे ज्यादा तनाव खुद को एक बिल्कुल अलग माहौल में साबित करने का है। रियलिटी शो मेरा जोन कभी नहीं रहे। मैं हमेशा बहुत सावधान रही हूं कि मुझे क्या बोलना चाहिए, कैसे रिएक्ट करना चाहिए ...मेरी छवि कैसी दिखनी चाहिए। मैं हर चीज बहुत सोच-समझकर बोलती हूं। लेकिन रियलिटी शो में आप हर वक्त खुद को रोक नहीं सकते। मुझे लगता है कि उस रोक को हटाना किसी भी स्टंट से ज्यादा मुश्किल है। शायद पहली बार लोग मुझे बिल्कुल असली रूप में देखेंगे।' अविका मानती हैं कि इस बार लोग उनका ऐसा रूप देखने वाले हैं, जिसे उन्होंने वर्षों तक सबसे छिपाकर रखा। 'मैं खुद को बहुत ज्यादा कॉम्पिटिटिव नहीं कहूंगी। ऐसा नहीं है कि मैं प्रतियोगिता के बिना नहीं रह सकती। मुझे मस्ती करना पसंद है। लेकिन अगर मैं किसी प्रतियोगिता का हिस्सा हूं, तो मैं उसे हल्के में भी नहीं लूंगी। मैं पूरी ईमानदारी के साथ मुकाबला करूंगी। मुझे लगता है कि रोहित शेट्टी मेरा बदलाव देखकर हैरान होंगे। क्योंकि जब मैं सीजन 9 में 21 साल की उम्र में गई थी, तब मैं बहुत नासमझ थी। मैं बेवकूफ थी, खुद को लेकर असमंजस में थी और काफी मोटी भी थी... लेकिन अब मैं बहुत अलग हूं। अब मैं खुद को ज्यादा समझती हूं।' शो में जाने से पहले उनके घरवाले भी काफी तनाव में हैं। वजह सिर्फ स्टंट्स नहीं, बल्कि अविका का बदला हुआ स्वभाव भी है। 'मुझे लगता है लोग मेरे असली और बेबाक रूप के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। मैंने हमेशा अपने उस रूप को बहुत छिपाकर रखा है। मैं कई चीजें बोलना चाहती थी लेकिन खुद को रोक लेती थी। लेकिन अब मुझे लगता है कि लोगों को ठीक वैसे ही देखना चाहिए कि मेरे दिमाग में क्या चलता है, मैं हालात को कैसे देखती हूं और असल में मैं कैसी हूं।'

पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी... अब बिल्कुल नहीं

'सब लोग एलर्जी और शरीर पर होने वाले रिएक्शन को लेकर बहुत ज्यादा परेशान हैं। वो नहीं चाहते कि पिछली बार जैसा अनुभव दोबारा हो। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता इस बात से ज्यादा डरते हैं कि अगर किसी ने गलत व्यवहार किया तो मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगी, क्योंकि पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी। मैं बहुत चीजें नजरअंदाज कर देती थी। लेकिन अब मैं किसी की भी बदतमीजी बर्दाश्त नहीं करती। अगर कुछ गलत लगे तो मैं चुप नहीं रह पाती।'

जनसमस्या निवारण शिविर में विधायक ईश्वर साहू ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता – कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

आम जनता की मांगों, समस्याओं और शिकायतों का जमीनी स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत बीरनपुर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में क्षेत्रीय विधायक ईश्वर साहू शामिल हुए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं और मांगों के आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के दौरान विधायक ईश्वर साहू ने अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश देते हुए कहा कि केवल कागजी खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा, बल्कि नागरिकों की समस्याओं का धरातल पर वास्तविक एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और जनसमस्या निवारण शिविर का उद्देश्य तभी सार्थक होगा जब पीड़ित व्यक्ति को उसकी समस्या से राहत मिलेगी।

विधायक श्री साहू ने शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं स्वयं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर निराकरण की समय-सीमा तय की। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता के साथ आवेदनों की जांच करें तथा जिन मामलों का समाधान तत्काल संभव है, उन्हें मौके पर ही पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि किसी भी नागरिक को अपने जायज कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना और उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना ही जनसमस्या निवारण शिविर की सवोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य प्रशासन को आम जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सके।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने भी उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों के मौके पर निराकरण के उद्देश्य से जिलेभर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निराकरण जिला प्रशासन की सवोच्च प्राथमिकता है। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

उन्होंने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण भी किया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदनों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक श्री ईश्वर साहू ने विशेष रूप से पेंशन, राशन कार्ड, नामांतरण-बंटवारा, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों में प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

जनसमस्या निवारण शिविर में केवल आवेदन प्राप्त नहीं किए गए, बल्कि विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। विधायक श्री ईश्वर साहू के हाथों हितग्राहियों को विभिन्न सामग्रियां एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कृषि विभाग द्वारा 3 किसानों को कृषि स्प्रेयर उपकरण वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 5 महिलाओं को पोषण आहार किट प्रदान की गई। राजस्व विभाग द्वारा 5 किसानों को किसान किताबें वितरित की गईं। श्रम विभाग ने 5 हितग्राहियों को नवीन श्रम पंजीयन कार्ड सौंपे, जबकि समाज कल्याण विभाग द्वारा एक दिव्यांग हितग्राही को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। खाद्य विभाग ने 5 पात्र परिवारों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री पिंकी मनहर, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विभागों के मैदानी अमले तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खास खबर

सर्किट हाउस बेमेतरा में राज्यपाल ने लगाया 'एक पेड़ मां के नाम', दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल रमेन डेका ने अपने बेमेतरा प्रवास के दौरान स्थानीय सर्किट हाउस परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में आंवले का पौधारोपण कर वसुंधरा को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का एक मजबूत संदेश दिया।

पौधरोपण के पश्चात राज्यपाल डेका ने उपस्थित अधिकारियों और आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। तेजी से बदलते मौसम चक्र और वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने के लिए हर नागरिक को अपने जीवन में पौधे अवश्य लगाने चाहिए। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि अपनी माता जी के सम्मान में लगाया गया यह पौधा न केवल पर्यावरण को समृद्ध करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायी साबित होगा।

अधिकारियों और आमजनों से की अपील

राज्यपाल ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सघन वृक्षारोपण अभियान चलाएं और लगाए गए पौधों की उचित देखभाल व सुरक्षा भी सुनिश्चित करें। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे इस मानसून और विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और उसके बड़े होने तक उसकी जिम्मेदारी लें।

कार्यक्रम के दौरान खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक साजा ईश्वर साहू, विधायक बेमेतरा दीपेश साहू, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, डी आई जी राम कृष्ण साहू, सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने राज्यपाल महोदय की इस मुहिम की सराहना करते हुए पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में आज दवा दुकानें बंद, जन औषधि केंद्र 24 घंटे खुलेंगे

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आपात स्थिति में टोल फ्री नंबर 9340597097 पर करें संपर्क, धनवंतरी स्टोर खुले रहेंगे

ऑल इंडिया आगर्नाइजेशन ऑफ केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में 20 मई को एकदिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद रहेगा। इसे देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने नागरिकों से सावधानी रखने की अपील की है। सहायक औषधि नियंत्रक ने बताया कि बंद के दौरान जिला चिकित्सालय और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र 20 मई को 24 घंटे खुले रहेंगे। इससे आम लोगों को दवाइयां मिलने में परेशानी नहीं होगी।

धनवंतरी स्टोर से मिलेंगी दवाएं

जिले में संचालित श्री धनवंतरी जेनरिक मेडिकल स्टोर बंद में शामिल नहीं हैं। आपात स्थिति में इन स्टोर से दवाएं ली जा सकती हैं। किसी भी परेशानी पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के टोल फ्री नंबर 9340597097 पर संपर्क करें। आपात स्थिति में नजदीकी अस्पताल, जिला चिकित्सालय या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाएं।

दवा संघ से अपील

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिला दवा विक्रेता संघ से शांतिपूर्ण और वैध तरीके से बंद का समर्थन करने की अपील की है। जनहित में आपातकालीन और जीवनरक्षक दवाओं की सप्लाई जारी रखने, अफवाह न फैलाने और स्वास्थ्य विभाग के साथ सामंजस्य बनाए रखने को कहा गया है।

गरिमा उत्सव जन भागीदारी अभियान 25 तक

राजनांदगांव। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय तथा आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग नवा रायपुर के निर्देशानुसार जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले थीम पर जिले में 18 मई से 25 मई 2026 तक जनजातीय गरिमा उत्सव जन भागीदारी अभियान का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत चयनित 105 ग्रामों में चलाया जाएगा। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग राजनांदगांव के मार्गदर्शन में चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदायों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाना और जमीनी स्तर पर जन भागीदारी बढ़ाना है। अभियान के दौरान गांव-गांव में स्वास्थ्य जागरूकता, सेवा संतुष्टि और सरकारी योजनाओं पर सीधा संवाद होगा। इसके लिए आदि सेवा केंद्रों की मैपिंग की जाएगी और आदिप्रसारण पोर्टल पर 18 मई तक आदिसाथी व वेलेंटियर्स का पंजीकरण पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में जमीनी संपर्क, सेवा संतृप्ति, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कमयोगी अभियान अंतर्गत निर्मित आदि सेवा केन्द्रों में जन सुनवाई कार्यक्रम द्वारा प्राप्त शिकायतों को सूचीबद्ध कर समाधान किया जाएगा। विशेष पिछड़ी जनजातियों के साथ अन्य जनजातीय हितग्राहियों तक फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए ग्राम और क्लस्टर स्तर पर विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे।

हृदय रोग से पीड़ित बच्ची के इलाज के लिए रेडक्रॉस से 10 हजार की सहायता

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जनदर्शन में सुनीं समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

उम्मीद लेकर आते हैं लोग : कलेक्टर

कलेक्टर ने कहा कि जनमानस उम्मीद लेकर जनदर्शन में आता है। उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए समाधान शीघ्र करें। नियमानुसार निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाए।

इन मुद्दों पर आए आवेदन

जनदर्शन में विद्युत कनेक्शन, सीमांकन, नामांतरण, अवैध अतिक्रमण हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना, भू-अर्जन, नजूल, पेंशन और राजस्व रिकार्ड दुरुस्त कराने सहित विभिन्न योजनाओं से लाभ दिलाने के आवेदन मिले।

बच्ची के इलाज के लिए 10 हजार दिए सहायता राशि

जनदर्शन में ग्राम मोखला निवासी ईगल कुमार श्रीवास ने बताया कि उनकी बिटिया चन्द्रप्रभा श्रीवास के हृदय में छेद है। कलेक्टर ने तत्काल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए और रेडक्रॉस सोसायटी राजनांदगांव से इलाज के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। बच्ची का समुचित इलाज सुनिश्चित करने को कहा।

अग्निवीर भर्ती के लिए 20 मई से ऑनलाइन क्लासेस शुरू

1746 अभ्यर्थियों को विशेषज्ञ देंगे लिखित परीक्षा की तैयारी, रिकॉर्डेड वीडियो भी मिलेंगे

राजनांदगांव। अग्निवीर भर्ती के लिए पंजीयन कराने वाले युवाओं को लिखित परीक्षा की तैयारी कराने के लिए जिले में 20 मई से ऑनलाइन क्लासेस शुरू होंगी। जिला प्रशासन, स्कूल शिक्षा विभाग और जिला रोजगार कार्यालय की संयुक्त पहल से सर्वेश्वर दास नगर निगम स्कूल में बने डिजिटल स्टूडियो से सुबह 10 बजे क्लास का संचालन होगा।

इस साल राज्य शासन ने जिले को 1586 युवाओं के पंजीयन का लक्ष्य दिया था। इसके मुकाबले 1746 अभ्यर्थियों ने अग्निवीर भर्ती के लिए पंजीयन कराया है। इन सभी पात्र आवेदकों को विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

तीनों सेनाओं की तैयारी कराएंगे

ऑनलाइन कोचिंग में युवाओं को थल सेना, वायु सेना और नौसेना की भर्ती प्रक्रिया, लिखित परीक्षा की तैयारी, जरूरी सुझाव और कैरियर निर्माण की जानकारी दी जाएगी। अग्निवीर भर्ती से मिलने वाले अवसरों और लाभों के बारे में भी बताया जाएगा। यह मंच युवाओं की शंकाओं के समाधान में मदद करेगा।

रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध रहेगी

जिला रोजगार कार्यालय के अधिकारियों ने ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ने के लिए जनपद और ग्राम पंचायत स्तर पर प्रचार किया है। क्लासेस यूट्यूब लिंक के जरिए होंगी और रिकॉर्डेड स्वरूप में भी उपलब्ध रहेंगी ताकि अभ्यर्थी बाद में भी पढ़ सकें। जून में होने वाली प्रतियोगी परीक्षा से पहले विशेषज्ञ शिक्षक शैक्षणिक सहयोग देंगे जिससे ज्यादा से ज्यादा युवाओं का चयन हो सके।

पीएम आवास योजना में लापरवाही पर प्रशासन सख्त, 700 से अधिक हितग्राहियों से होगी वसूली की तैयारी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (PMAY-G) के तहत स्वीकृत आवासों को अपूर्ण छोड़ने वाले 700 से अधिक हितग्राहियों पर अब प्रशासनिक कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ऐसे हितग्राही, जिन्होंने योजना की द्वितीय किस्त की राशि प्राप्त करने के बावजूद अपने आवास निर्माण कार्य को पूरा नहीं किया, उनके खिलाफ वसूली की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, संबंधित हितग्राहियों को पूर्व में नोटिस जारी कर आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अनेक मामलों में निर्देशों की अनदेखी की गई। इसके बाद प्रशासन अब दुरुपयोग की गई शासकीय राशि की वसूली के लिए संबंधित तहसीलों से वसूली प्रमाण पत्र जारी कराने की तैयारी में है।

इस संबंध में जनपद पंचायत बेरला की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री दीप्ति मंडावी ने हितग्राहियों की पेशी लेते हुए स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता का उपयोग केवल आवास निर्माण कार्य के लिए किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना में लापरवाही एवं राशि के दुरुपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीईओ सुश्री मंडावी ने हितग्राहियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों ने नोटिसों की अनदेखी की है और अब तक आवास पूर्ण नहीं किया है, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने संबंधित हितग्राहियों से शीघ्र आवास निर्माण पूर्ण करने की अपील भी की है।

जिले में सुरक्षित मातृत्व अभियान को मिल रही मजबूती

राजनांदगांव। जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए आरसीएच 2.0 पोर्टल के क्रियान्वयन हेतु निजी अस्पतालों के चिकित्सकों एवं स्टाफ नसी, प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में जिले के सभी निजी अस्पतालों के चिकित्सा एवं स्टाफ नर्स, प्रतिनिधि शामिल हुए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरत्न ने बताया कि भारत सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच सुरक्षित प्रसव एवं उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली महिलाओं की निगरानी और बेहतर प्रबंधन के उद्देश्य से आरसीएच 2.0 पोर्टल विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की समस्या स्वास्थ्य जांच उपचार एवं प्रसव संबंधी जानकारी ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। जिससे समय पर निगरानी और आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना आसान होगा। अब निजी चिकित्सा अस्पतालों को भी इस व्यवस्था से जोड़ा गया है, ताकि प्रत्येक गर्भवती महिला का रिकॉर्ड सुव्यवस्थित तरीके से दर्ज हो सके और सुरक्षित मातृत्व अभियान को मजबूती मिल सके।

पीएम स्वनिधि योजना : 4 दिन में 921 वेंडर्स के ऋण मंजूर

कलेक्टर की समीक्षा के बाद बढ़ी रफ्तार, अब तक 4210 को मिला लाभ, 79 को वितरण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कलेक्टर जितेन्द्र यादव की समीक्षा के बाद बैंकों ने रफ्तार बढ़ा दी है। चार दिन में 921 वेंडर्स के ऋण प्रकरण स्वीकृत हुए और 79 को ऋण वितरित किया गया।

तीन स्तर में मिलता है ऋण

योजना के तहत बैंकों से तीन स्तर में ऋण का प्रावधान है। पहली बार 15 हजार रुपये, समय पर अदायगी पर दूसरी बार 25 हजार रुपये और दूसरी किस्त चुकाने पर तीसरी बार 50 हजार रुपये का ऋण दिया जाता है। नियमित अदायगी पर ब्याज में 7 प्रतिशत का अनुदान भी मिलता है।

अब तक 4210 को मिला लाभ

कलेक्टर ने वाणिज्यिक बैंकों की बैठक में ऋण प्रकरणों की समीक्षा की थी। जिले के बैंकों को कुल 6021 प्रकरण भेजे गए थे। इनमें से 4483 ऋण प्रकरण स्वीकृत हुए और 4210 प्रकरणों पर ऋण वितरण किया गया। अभी 1188 प्रकरण स्वीकृति और वितरण के लिए शेष हैं। कलेक्टर के निर्देश के बाद 921 प्रकरण स्वीकृत कर 79 वेंडर्स को ऋण दिया गया।

कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

नगरीय निकायों में रहने वाले छोटे व्यवसायी, पथ विक्रेता और दुकानदार पीएम स्वनिधि वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पात्र हितग्राही नजदीकी च्वाइस सेंटर या कंप्यूटर सेंटर से भी आवेदन जमा कर सकते हैं। यह योजना छोटे दुकानदारों को आर्थिक मदद पहुंचाने में लाभकारी साबित हो रही है।

हितग्राहियों को राशनकार्ड, जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ई-श्रम कार्ड का वितरण

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के ग्राम पंचायत पलांदुर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत पलांदुर, भानपुरी, कातलवाही, पारागांवखुर्द, पारागांवकला, पेंड्री, सलटिकरी , मुसराकला, आलीवारा, कसारी, कोलिहापुरी छी, छीपा कुल 12 ग्राम पंचायत के ग्रामीण शामिल हुए। शिविर में ग्रामीणों से मांग एवं शिकायत से संबंधित कुल 728 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमे 714 आवेदन मांग एवं 14 आवेदन शिकायत से संबंधित थे। त्वरित निराकरण करने की कायर्वाही की जा रही है। सुशासन तिहार 2026 जनसमस्या निवारण शिविर के तहत प्राप्त आवेदनों एवं जनशिकायतों का समयबद्ध व प्रभावी निराकरण विभाग द्वारा किया जाएगा तथा शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में जनपद पंचायत डोंगरगढ़ द्वारा 7 हितग्राहियों को राशनकार्ड एवं 4 हितग्राहियो को जॉब कार्ड, मत्स्य पालन विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को आईस बॉक्स व मछली जाल, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, श्रम विभाग द्वारा 7 हितग्राहियों को ई-श्रम कार्ड का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया। शिविर में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम किया गया। शिविर में राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण विकास, जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, विद्युत विभाग, सहकारिता विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, वन विभाग, शिक्षा विभाग, मत्स्य विभाग, खाद्य विभाग सहित 19 विभाग का स्टॉल लगाया गया था। अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। शिविर में उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगढ़ श्रीमती लता अजय सिन्हा, सभापति जनपद पंचायत डोंगरगढ़ सुरेश वर्मा, सभापति जनपद पंचायत डोंगरगढ़ श्रीमती रामेश्वरी एवन वर्मा एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मोहारा सहकारी समिति का धान अवैध रूप से खरीदने वाला गिरफ्तार, 160 कट्टा धान जब्त

30 .86 लाख के गबन का मामला, समिति प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर भी शामिल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

चौकी मोहारा पुलिस ने सहकारी समिति मोहारा का धान अनाधिकृत रूप से खरीदने वाले आरोपी यशवंत उर्फ राजू वर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के ग्राम खैरी स्थित मकान से 160 कट्टा धान जब्त किया गया है। मामले में समिति प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर की भूमिका भी सामने आई है।

995 क्विंटल धान का गबन

सहायक खाद्य अधिकारी डोंगरगढ़ की रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15 नवंबर 2025 से 13 मई 2026 के बीच सेवा सहकारी समिति मोहारा के प्रभारी प्रबंधक संतोष वर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर वेदप्रकाश साहू और आरोपी राजू वर्मा निवासी खैरी ने कस्टम मिलिंग नीति 2025-26 का उल्लंघन किया। फर्जी सूखत दिखाकर 995.68 क्विंटल धान कीमत 30 लाख 86 हजार 608 रुपये का गबन किया गया।

जांच में खुला फर्जीवाड़ा

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान उपार्जन केंद्र मोहारा में ऑनलाइन रिपोर्ट के अनुसार कुल 1 लाख 12 हजार 831.60 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज हुई। राइस मिलर्स को 1 लाख 12 हजार 831.60 क्विंटल धान का परिदान किया जाना था, लेकिन मात्र 1 लाख 11 हजार 835.92 क्विंटल धान ही दिया गया। 995.68 क्विंटल धान को सूखत बताया गया। जांच में 13 मई 2026 को समिति से बिना वैध दस्तावेज के अनाधिकृत व्यक्ति को धान बेचते पाया गया।

आरोपी ने कबूला जुर्म

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन में एएसपी कीर्तन राठौर और एसडीओपी केसरी नंदन नायक के निर्देश पर कार्रवाई हुई। आरोपी यशवंत उर्फ राजू वर्मा पिता देवलाल वर्मा उम्र 38 साल निवासी खैरी चौकी तुमडीबोड को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने मोहारा समिति प्रबंधक से अवैध धान खरीदना स्वीकार किया। आरोपी के खिलाफ सबूत मिलने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

धारा 318(4), 316(5), 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 316(5), 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सुमेंद्र कुमार खरे, साइबर सेल उप निरीक्षक नरेश बंजारे, मोहारा पुलिस चौकी स्टॉफ और साइबर सेल स्टॉफ की भूमिका रही।

तेज रफ्तार पिकअप ने मारी टक्कर, हेड कांस्टेबल की मौत

धमतरी। शहर में बुधवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। रात्रि गश्त के दौरान एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने पुलिसकर्मियों की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कोतवाली थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक विजय बैरागी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद नगर सैनिक दिलीप पांडे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल नगर सैनिक को नाजुक हालत में रायपुर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 3 :30 बजे प्रधान आरक्षक विजय बैरागी और नगर सैनिक दिलीप पांडे अपनी सरकारी ड्यूटी के तहत रात्रि गश्त पर थे। जैसे ही वे सिहावा चौक के पास 'संजय आर्ट्स' के समीप पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन (क्रमांक : सीजी 05 एवी 0232 हिन्द ट्रांसपोर्ट) ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के वक्त मोटरसाइकिल नगर सैनिक दिलीप पांडे चला रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार, टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप चालक बाइक को करीब 100 मीटर की दूरी तक घसीटते हुए ले गया। इस दर्दनाक टक्कर के कारण प्रधान आरक्षक विजय बैरागी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

रायपुर प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी का स्वागत, पत्रकार हित में काम करने का लिया गया संकल्प

अध्यक्ष मोहन तिवारी ने दिलाया पुष्पगुच्छ से अभिनंदन, प्रकोष्ठ संयोजक भी सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर प्रेस क्लब में सोमवार को गरिमामयी कार्यक्रम में नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्यों और विभिन्न प्रकोष्ठों के संयोजकों का आत्मीय स्वागत किया गया। अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा 'भारतीय' और उपाध्यक्ष दिलीप साहू ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सभी का अभिनंदन किया।

ये बने कार्यकारिणी सदस्य

नवनियुक्त कार्यकारिणी में संदीप पुराणिक, चंदन साहू, अंशुमान शर्मा, संतोष साहू और संजीव सिन्हा शामिल हैं। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रकोष्ठ के संयोजक प्रवीण सिंह, वीडियो जर्नलिस्ट प्रकोष्ठ के संयोजक रविन्द्र नागलकर और प्रेस/मीडियाकर्मी समन्वय एवं समस्या निवारण प्रकोष्ठ के संयोजक सनत तिवारी का भी स्वागत किया गया।

अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि नई ऊर्जा और अनुभवी साथियों की टीम के साथ प्रेस क्लब पत्रकार हितों की रक्षा और संगठन की मजबूती के लिए प्रतिबद्धता से काम करेगा। महासचिव गौरव शर्मा ने बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि सभी प्रकोष्ठ अपने क्षेत्रों में पत्रकारों एवं मीडियाकर्मियों की समस्याओं के निराकरण और समन्वय में अहम भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के अंत में नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सम्मान के लिए आभार जताया और प्रेस क्लब की गरिमा बनाए रखते हुए निष्ठा से जिम्मेदारियों के निर्वहन का भरोसा दिलाया।

पदस्थापना स्थल चयन की प्रक्रिया 25 को

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु 38 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त विज्ञापित पदों jr.secretarial Assistant-UAAM एवं MO-Ayush (RBSK) के लिए प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों का मेरिट आधार पर पदस्थापना स्थल चयन की प्रक्रिया 25 मई 2026 को अपरान्ह 12 बजे को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के सभागार में की जाएगी। विस्तृत जानकारी जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in में देखी जा सकती है।

स्मृतिनगर में घर से चोरी करने वाला 12 घंटे में गिरफ्तार सोने का लॉकेट, नगदी और 70 विदेशी मुद्रा किया बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

चौकी स्मृतिनगर पुलिस ने घर में चोरी की वारदात का 12 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से सोने का लॉकेट, नगदी और करीब 70 विदेशी मुद्रा बरामद की गई है।

बाजार गए थे घरवाले, पीछे से हुई चोरी

प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 मई को वह घरेलू सामान लेने बाजार गया था। लौटने पर घर से सोने-चांदी के जेवरात और विदेशी मुद्रा गायब मिली। रिपोर्ट पर थाना सुपेला चौकी स्मृतिनगर में धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 696/2026 दर्ज किया गया।

जायका बेकरी के पास का रहने वाला है आरोपी

पुलिस ने टीम गठित कर जांच शुरू की। संदेही मनोज सबरी उम्र 23 वर्ष निवासी जायका बेकरी के पास, स्मृतिनगर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने सुनसान घर का फायदा उठाकर चोरी करना स्वीकार किया। उसके कब्जे से एक सोने का लॉकेट, नगदी और लगभग 70 नग विदेशी मुद्रा बरामद हुई।

आरोपी मनोज सबरी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। घटनास्थल सड़क नंबर 03, स्मृतिनगर, चौकी स्मृतिनगर, थाना सुपेला है।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आमजन से अपील की है कि घर सूना छोड़ते समय सुरक्षा के उपाय जरूर करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाने को दें।

भारतीय मजदूर संघ 1 अक्टूबर को रायपुर में करेगा आक्रोश रैली

जुटेंगे एक लाख श्रमिक, अंबिकापुर में कार्यसमिति की बैठक में लिया निर्णय, ठेका श्रमिकों से लेकर गिग वर्कर्स तक के मुद्दे उठाए जाएंगे

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

भारतीय मजदूर संघ छत्तीसगढ़ 1 अक्टूबर को राजधानी रायपुर में एक लाख श्रमिकों के साथ आक्रोश रैली करेगा। यह निर्णय 16-17 मई को अंबिकापुर में संपन्न हुई प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में लिया गया।

यह है संघर्ष का समय : क्षेत्रीय संगठन मंत्री सीवी राजेश

बैठक में प्रदेश महामंत्री दिनेश पांडे ने प्रदेश के कार्यों की जानकारी दी। नए क्षेत्रीय संगठन मंत्री सी वी राजेश ने कहा कि यूनियन गतिविधि बढ़ाने और कार्यक्षेत्र में विस्तार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब पत्र देने का नहीं, खुलकर संघर्ष का समय है। लगातार पत्र देने के बाद भी सरकार द्वारा यूनियन की मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की जा रही है। इससे श्रमिकों की समस्याएं बनी हुई हैं।

ये रहेंगे आंदोलन के प्रमुख मुद्दे

राष्ट्रीय मंत्री राधेश्याम जयसवाल ने कहा कि आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए श्रमिक क्षेत्रों में संपर्क, नुक्कड़ सभा, पम्पलेट वितरण और गेट मीटिंग की जाएंगी। आंदोलन के प्रमुख मुद्दों में दुर्ग जिले में भिलाई इस्पात संयंत्र के ठेका श्रमिकों की छंटनी, सुविधाओं में असमानता, औद्योगिक क्षेत्र में कर्मचारियों की छंटनी, कम वेतन, उद्योगों में वेतन समझौता, सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र देना, श्रमिकों को यूनियन बनाने से रोकना शामिल हैं। इसके अलावा अस्पताल कर्मचारियों से निर्धारित समय से अधिक काम कराना और उचित वेतन न देना, शासकीय विभागों एवं निगम मंडल में दस वर्ष से कार्यरत संविदा कर्मियों को नियमित करना, ट्रक ड्राइवरों की समस्याएं, इलेक्ट्रिक ऑटो के लिए चार्जिंग प्वाइंट बनाना भी मुद्दों में है।

आंगनबाड़ी, आशा वर्कर, रसोइया कर्मियों को श्रमिक का दर्जा देना, निर्माणी यूनियन के पदाधिकारियों को नियोजन का अधिकार देना, गिग वर्कर्स को सोशल सिक्योरिटी देना, परिवहन कल्याण बोर्ड की स्थापना, सुरक्षा गार्ड से 12 घंटे ड्यूटी के बाद कम वेतन देना, होटल कर्मियों के लिए पीएफ, ईएसआई और कार्य घंटे लागू करवाना भी मांगों में शामिल है। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, विभाग प्रमुख, जिलाध्यक्ष, जिलामंत्री और विभिन्न यूनियन, महासंघ के पदाधिकारी शामिल हुए।

स्मृति नगर रोड पर जगदंबा डेरी के पास जाम से लोग परेशान, चौड़ीकरण की मांग

एंबुलेंस भी फंसी, हाईवा ट्रक से लगा लंबा जाम : जनहित संघर्ष समिति ने पीएम, सीएम से की शिकायत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्मृति नगर रोड पर जगदंबा डेरी के पास रोज लगने वाले जाम से स्थानीय लोग परेशान हैं। सोमवार को एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई जिसे टर्न होकर दूसरे रास्ते से जाना पड़ा। जनहित संघर्ष समिति ने सड़क चौड़ीकरण और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन की मांग की है।

शाम को लग जाती है वाहनों की लंबी कतार

स्थानीय लोगों के अनुसार शाम के व्यस्त समय में सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को दिक्कत होती है। सोमवार को एक हाईवा ट्रक को पर्याप्त जगह न मिलने से लंबा जाम लग गया।

पुलिस को भी पहुंचने में लगती है देर

जनहित संघर्ष समिति के संयोजक शारदा गुप्ता ने बताया कि सड़क किनारे बड़े वाहन के टर्न लेने में दिक्कत होने पर पूरी सड़क जाम हो जाती है। शैक्षणिक संस्थान और चौपाटी होने से इस सड़क पर दबाव अधिक है। जाम के कारण पुलिस प्रशासन को भी घटनास्थल तक पहुंचने में समय लगता है। झरोखा मैरिज प्लेस के पास शादी होने पर भी लोग घंटों फंसे रहते हैं।

ये की गई मांग

समिति ने मांग की है कि इस रोड पर 112 की गाड़ियां नियमित रूप से गश्त करें। अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई की जाए। सड़क चौड़ीकरण और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन की व्यवस्था की जाए। झरोखा मैरिज प्लेस के पास वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। शारदा गुप्ता ने बताया कि समस्या को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री, सांसद विजय बघेल और विधायक को अवगत कराया गया है।

स्थानीय लोगों की चेतावनी

स्थानीय लोगों का कहना है कि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। मांग करने वालों में शारदा गुप्ता, विनोद उपाध्याय, निशु पांडे, डॉ रमेश श्रीवास्तव, कन्हैया सोनी, बृजमोहन उपाध्याय, बंटी नाहर, अखिलेश वर्मा, जेपी घनघोरकर, संतोष जयसवाल, गुरनाम सिंह, हंसराज पटेल, सुभाष शर्मा, प्रदीप पांडे, टिंकू, रमेश देशमुख, नेहरू साहू, तुषार देवांगन, निर्मल भारती, छोटू पासवान, मृगेंद्र कुमार, हरीशचंद्र भारती, शक्ति सिंह, संजय दुबे, संजय साहू, गिरीश दिलीप दामले, नरेश संतोष सोनी, अमोल साहू, अनिल सिंह, पीसी प्रसाद, योगेश यादव शामिल हैं।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100